सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 336 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 19 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पर्यावरण संरक्षण में भारत का बजा डंका : पीएम मोदी बोले- दुनिया को दिखा रहे दिशा

नईदिल्ली ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स' (पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य) विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबे समय से कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाली जाती रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में भारत का योगदान वैश्विक औसत के आधे से कम है। विकसित देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन हमारी तुलना में छह गुना ज्यादा है। भारत इन तथ्यों को वैश्विक मंचों पर मजबूती से रखता है। उन्होंने सभी से भी इस दिशा में आत्मविश्वास व दम दिखाने की बात कही।

पीएम मोदी ने बताया कि भारत दुनिया के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण के नए मानक तय कर रहा है। उन्होंने 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड', अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), सीडीआरआई, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन और 'मिशन लाइफ' जैसी पहलों का उल्लेख किया।

160 गीगावाट के पार पहुंची सौर ऊर्जा क्षमता

सौर ऊर्जा का ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि 12 साल पहले देश की सौर क्षमता केवल 2 गीगावाट थी, जो आज बढ़कर 160 गीगावाट के पार हो चुकी है। सरकार ने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के तहत घरों को सौर ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बनाने का मिशन शुरू किया। इस योजना के तहत अब तक 50 लाख से अधिक घरों में सोलर पैनल लग चुके हैं। यह संख्या कई देशों के कुल मकानों से भी अधिक है। सरकार ने ऐसे प्रत्येक परिवार को करीब 80,000 की आर्थिक सहायता दी है। पीएम ने कहा कि भारत आज क्लीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है।

खास-खबर

कोरिया में धंस गया रेलवे अंडरब्रिज, 25 हजार लोगों का संपर्क टूटा

कोरिया। जिले के चरचा कॉलरी जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित रेलवे अंडरब्रिज की पुलिया शनिवार सुबह अचानक धंस गई। करीब एक साल पहले निर्मित इस अंडरब्रिज के क्षतिग्रस्त होने से शिवपुर-चरचा मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। इसके चलते क्षेत्र की करीब 25 हजार की आबादी प्रभावित हुई है और लोगों का मुख्य मार्गों से संपर्क बाधित हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। इस मार्ग से रोजाना आम नागरिकों के अलावा करीब 50 से 60 भारी वाहन और कोयला परिवहन भी गुजरता है। अंडरब्रिज के इतनी कम अवधि में धंसने के बाद निर्माण गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि भारी वाहनों और कोयला परिवहन के दबाव वाले मार्ग पर निर्माण के दौरान गुणवत्ता और मजबूती का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए था। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लालमुनि यादव ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कम समय में पुलिया के क्षतिग्रस्त होने की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

पीएम मोदी ने 51,000 से अधिक युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20वें रोजगार मेले के माध्यम से 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। ये नियुक्तियां विभिन्न सरकारी संगठनों में की गई हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इस कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की क्षमता और उनके भविष्य की भूमिका पर जोर दिया। यह आयोजन देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम युवाओं की क्षमता का एक और उदाहरण है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। भारतीय स्टार्टअप की कहानी अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। लगभग आधे मान्यता प्राप्त स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित हैं। इसका अर्थ है कि गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के युवा भारत की नई अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रामबन हाईवे पर बीएसएफका वाहन पलटा, पांच जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में आज शनिवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। सीमा सुरक्षा बल का एक वाहन पलट गया। इस हादसे में कम से कम पांच जवान घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंबा-सेरी के पास हुई। बीएसएफ का यह वाहन जम्मू की ओर जा रहे एक बड़े काफिले का हिस्सा था। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। उन्होंने तेजी से बचाव अभियान शुरू किया। घायल जवानों को तत्काल वाहन से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में उप-निरीक्षक घर सिंह, चालक शमीम अहमद, आरक्षी सुनील कुमार, परशुतम कुमार और चंदन यादव शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

पीडब्ल्यूडी में 1 अक्टूबर से बदल रहा टेंडर सिस्टम, नई निविदाएं अब GePNIC पर

अफसरों को यूजर आईडी, रोल मैपिंग और डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट की प्रक्रिया तत्काल पूरी करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक निर्माण विभाग में ई-टेंडरिंग की व्यवस्था अब नए सरकारी पोर्टल GePNIC पर शिफ्ट होने जा रही है। 1 अक्टूबर 2026 से विभाग की सभी नई निविदाओं का सृजन और प्रकाशन Government e-Procurement-NIC GePNIC के माध्यम से होगा। निविदा जारी करने से लेकर उसके मूल्यांकन और आगे की पूरी ऑनलाइन प्रक्रिया इसी पोर्टल पर पूरी की जाएगी। विभाग ने नई व्यवस्था शुरू होने से पहले सभी ठेकेदारों और विभागीय अमले को जरूरी तकनीकी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

नई निविदाओं में भाग लेने वाले ठेकेदारों के लिए GePNIC पर नामांकन कराना जरूरी होगा। विभाग ने ठेकेदारों को समय रहते पोर्टल पर नामांकन कराने

के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार शुरू किया है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी ने सभी विभागीय अधिकारियों के साथ ही ठेकेदार संघ के अध्यक्ष वीरेश शुक्ला और रूपेश सिंघल को पत्र भेजकर ठेकेदारों तक नई व्यवस्था की जानकारी पहुंचाने और उन्हें नामांकन के लिए प्रेरित करने को कहा है।

विभागीय स्तर पर भी नई व्यवस्था को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सभी निविदा आमंत्रण अधिकारियों, तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन समिति के सदस्यों तथा संबंधित कर्मचारियों को यूजर आईडी बनवाने, रोल मैपिंग और डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिक्रेट दष्ठस्ष्टड्ड की प्रक्रिया तत्काल पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। नई व्यवस्था 1 अक्टूबर से ही बिना किसी तकनीकी या प्रशासनिक अड़चन के सुचारू व प्रभावी तरीके से काम करना शुरू कर दें, इस पर विभाग का विशेष जोर है।

पीडब्ल्यूडी में टेंडर प्रक्रिया के इस बदलाव के साथ ठेकेदारों को पुराने पोर्टल के बजाय GePNIC को नए निविदा प्लेटफॉर्म के रूप में अपनाना होगा। विभाग ने अधिकारियों और ठेकेदारों से नई व्यवस्था की तैयारी निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने को कहा है, ताकि 1 अक्टूबर से सभी नई निविदाएं निर्बाध रूप से नए पोर्टल पर संचालित की जा सकें।

निविदा की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी

नई व्यवस्था में सिर्फ टेंडर प्रकाशित करना ही नहीं, बल्कि निविदा की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन GePNIC पर होगी। इसमें निविदा का सृजन, प्रकाशन, बिड प्राप्ति, तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन सहित संबंधित कार्यवाहियां शामिल हैं। विभाग ने अंतिम समय में तकनीकी दिक्कतों से बचने के लिए ठेकेदारों को पोर्टल पर नामांकन की प्रक्रिया पहले ही पूरी करने के निर्देश दिए हैं। पुराने ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर 30 सितम्बर 2026 तक प्रकाशित निविदाओं की बिड प्राप्ति, मूल्यांकन, स्वीकृति और अन्य लंबित ऑनलाइन कार्यवाही 31 मार्च 2027 तक पुराने पोर्टल पर पूरी की जाएंगी। इसके बाद वर्तमान ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर किसी तरह की निविदा संबंधी कार्यवाही नहीं होगी।

पांचवी कक्षा की बच्ची ने की कलेक्टर से शिकायत, टीचर करता है बैड टच

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले की ग्राम मिरौनी में पदस्थ एक टीचर पर बैड टच का आरोप लगा है। चंद्रपुर तहसील के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली क्लास 5ह्लद्ध की बच्ची ने आरोप लगाया कि टीचर कैलाश पटेल कॉपी चेक कराने के समय गंदे तरीके से छूते हैं और महिला स्वीपर के साथ बाथरूम में घुसे रहते हैं।

पढ़ाई के बजाय अक्सर मोबाइल में बिजी रहने का आरोप भी कैलाश पटेल पर लगा है। बच्ची के परिवार वालों ने कलेक्टर और ष्ठश्वह्र से लिखित शिकायत की है। जिला शिक्षा अधिकारी कुमुदिनी द्विवेदी ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

स्कूल टाइम में मोबाइल मे बिजी रहते हैं टीचर

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि टीचर कैलाश पटेल स्कूल में बच्चों की पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। स्कूल टाइम में अक्सर मोबाइल फोन में बिजी रहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक के इस रवैये से स्कूल की पढ़ाई

व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शिकायत में स्कूल में पदस्थ स्वीपर महिला के साथ शिक्षक के गलत व्यवहार को लेकर भी आपत्ति जताई गई है। ग्रामीणों ने कहा है कि पूरे मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए।

पढ़ाने कहो तो डांटते हैं टीचर

5वीं की छात्रा ने कहा कि जब हम टीचर को पढ़ाने के लिए कहते हैं तो हमें डांट देते हैं। उन्होंने कई बार गलत तरीके से टच भी किया। हालांकि, आरोप की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों ने जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की बात कही है।

पेंड्रा में घना कोहरा, दिन में लाइट जलाकर चले वाहन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कमजोर पड़ा मानसून अब फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवा चलने की संभावना जताई है।

रायपुर समेत कई जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अचानक तेज हवा चल सकती है। कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 40 से 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इस बीच शुक्रवार रात करीब एक हफ्ते बाद रायपुर में तेज बारिश हुई। शहर के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ीं। गौरेला और अमरकंटक में भी मौसम बदला हुआ है। गौरेला में शनिवार सुबह से घना कोहरा छाया है, जिससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई है। अमरकंटक में बारिश के बाद मौसम ठंडा और सुहावना हो गया है। कम विजिबिलिटी के कारण गौरेला-अमरकंटक सड़क पर वाहन चालक दिन में भी लाइट जलाकर धीमी रफ्तार से चल रहे हैं।

बंगाल के रेजीनगर में टीएमसी कैंडिडेट पीछे हटे पुराना चुनाव-चिह्न नहीं मिलना बताई वजह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के रेजीनगर विधानसभा उपचुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट के उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने शनिवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। उन्होंने इसकी मुख्य वजह ञ्जरूष्ट का पुराना चुनाव चिह्न ट्विन फ्लावर्स यानी जोड़ा घास फूल नहीं मिलना बताया है।

रबीउल आलम ने आरोप लगाया कि उनके कार्यकर्ताओं को प्रचार करने की इजाजत नहीं मिल रही थी और दबाव बनाया जा रहा था। रबीउल ने यह भी कहा कि नया चुनाव चिन्ह मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए समय कम था। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को नंदीग्राम में भी ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापस ले लिया था। इसके बाद ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन

प्रधान को समर्थन देने का ऐलान किया था। हालांकि, इसके कुछ घंटे बाद मिलन प्रधान को 2007 के एक पुराने हत्या मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होगा और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी, जबकि रेजीनगर सीट हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद खाली हुई।

नलखेड़ा में दर्दनाक हादसाः बगलामुखी दर्शन कर लौट रहे ओडिशा के 8 श्रद्धालुओं की मौत, नाले में बही कार

मालावा ए.। जिले के नलखेड़ा में मां बगलामुखी माता मंदिर के पास उफनते बरसाती नाले में श्रद्धालुओं से भरी कार बह गई। हादसे में कार सवार आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। सभी मृतक ओडिशा के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार श्रद्धालु उज्जैन से टैक्सी किराये पर लेकर मां बगलामुखी माता मंदिर के दर्शन करने नलखेड़ा पहुंचे थे। दर्शन के बाद लौटते समय मंदिर के पास स्थित बरसाती नाला तेज बारिश के कारण उफान

पर था, इसी दौरान कार तेज बहाव की चपेट में आ गई और नाले में बह गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने काफी मशक्कत के बाद कार को उफनते नाले से बाहर निकाला। कार में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में आशंका है कि तेज बहाव के बीच चालक ने जल्दबाजी में नाला पार करने का प्रयास किया, जिसके कारण कार पानी के तेज बहाव में फंसकर बह गई। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है।

एसपी दिलीप कुमार सोनी के मुताबिक हादसे में तीन बच्चों, दो महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हुई है। सभी मृतक ओडिशा के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस मृतकों की पहचान और उनके परिजनों से संपर्क की प्रक्रिया में जुटी है। प्रशासन और पुलिस की टीम पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

संपादकीय

दर्द देता इलाज

अस्पतालों में नाजायज मुनाफे का रोग

किसी अस्पताल में उपचाराधीन कोई मरीज जब किसी रोग से लड़ रहा होता है तो वह इस स्थिति में नहीं होता कि उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों व दवा आदि के तार्किक मूल्यों की पड़ताल कर सके। वह यह पूछने की स्थिति में भी नहीं होता कि किसी दवा, सिरिंज या कैथेटर आदि की कीमत जायज है या नाजायज। वैसे भी अस्पताल संचालकों द्वारा संचालित किए जा रहे मेडिकल स्टोरों में वह कीमत को लेकर अपना पक्ष रखने की हालत में नहीं होता। यह विडंबना ही है कि दवा कंपनियां बिचौलियों व मेडिकल स्टोर के मालिकों को लुभाने के लिए दवा की वास्तविक लागत कीमत व कथित एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते दवा विक्रेता मरीजों के तीमारदारों से मनमानी कीमतें वसूल कर मुनाफा कूटते हैं। जिसकी पुष्टि महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा अस्पतालों में उपयोग किए जाने वाले सामान की कीमतों की राज्यव्यापी पड़ताल के निष्कर्ष करते हैं। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन महाराष्ट्र के तेजतर्रार कमिश्नर तुकाराम मुंढे की पहल पर किए गये राज्यव्यापी सर्वेक्षण में पाया गया कि एक अस्पताल द्वारा खरीदे गए एक आईवी एन्फ्यूजन सेट की कीमत मात्र 11 रुपये थी और उस पर एमआरपी 325 दर्ज थी, जो वास्तविक कीमत से हजारों फीसदी अधिक थी। एक सिरिंज जिसकी खरीद कीमत 6.7 रुपये थी, उसकी एमआरपी 57 रुपये थी। जबकि 29 रुपये में खरीदा गया कैथेटर 310 रुपये एमआरपी वाला था। निस्संदेह, सप्लाई चेन में भी कुछ खर्च होते हैं, लेकिन अस्पताल व उनके मेडिकल स्टोर इन दवाइयों पर अंधा मुनाफा कमा रहे हैं। यह दुखद ही है कि जहां पहले ही मरीज रोग से पीड़ित होता है, वहां दवाइयों की कीमतों को लेकर पारदर्शिता का अभाव उसके दर्द को बढ़ाने वाला ही होता है। यह उम्मीद जगाने वाली पहल है कि कमिश्नर मुंढे ने एफडीए की पड़ताल के निष्कर्ष और सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है कि मेडिकल उपकरणों की कीमतों की पड़ताल और मुनाफे की सीमा निर्धारण पर गंभीरता से विचार किया जाए। साथ ही इस बाबत सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए।

> “ यह विडंबना ही है कि दवा कंपनियां बिचौलियों व मेडिकल स्टोर के मालिकों को लुभाने के लिए दवा की वास्तविक लागत कीमत व कथित एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते दवा विक्रेता मरीजों के तीमारदारों से मनमानी कीमतें वसूल कर मुनाफा कूटते हैं। जिसकी पुष्टि महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा अस्पतालों में उपयोग किए जाने वाले सामान की कीमतों की राज्यव्यापी पड़ताल के निष्कर्ष करते हैं। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन महाराष्ट्र के तेजतर्रार कमिश्नर तुकाराम मुंढे की पहल पर किए गये राज्यव्यापी सर्वेक्षण में पाया गया कि एक अस्पताल द्वारा खरीदे गए एक आईवी एन्फ्यूजन सेट की कीमत मात्र 11 रुपये थी और उस पर एमआरपी 325 दर्ज थी, जो वास्तविक कीमत से हजारों फीसदी अधिक थी।

इस तरह अब यह महत्वपूर्ण मामला राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं के पास है, जिसमें एनपीपीए और फॉर्मास्यूटिकल विभाग आदि शामिल हैं। यह सुखद है कि मामला एक ईमानदार अधिकारी की सख्त पहल के बाद उजागर हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि मरीजों को उलटे उस्तरे से मूंडने का यह खेल दशकों से बदस्तूर जारी है। जिन सरकारों व संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी की थी, वे निहित स्वार्थों के चलते मूकदर्शक बने रहे हैं। महाराष्ट्र में एफडीए के कमिश्नर का पदभार संभालने के बाद मुंढे ने पूरे राज्य में खाद्य पदार्थों में मिलावट व सेहत के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक जोरदार अभियान चला रखा है। इतना ही नहीं, इस सार्थक पहल के बाद एफडीए ने बड़ी मात्रा में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली असुरक्षित खाद्य सामग्री भी जब्त की है। साथ ही खाद्य सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वाले कई नामी प्रतिष्ठानों व तथाकथित दिग्गजों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। विडंबना यह है कि खाद्य पदार्थों और चिकित्सा उपयोग में आने वाली वस्तुओं की कीमत व गुणवत्ता की जांच-पड़ताल और इनसे खुद को सुरक्षित रखने की सटीक जानकारी उपभोक्ता के पास नहीं होती है। फिर स्थानीय प्रशासन के लोग सिर्फ खाना-पूर्ति के लिए कभी-कभार छापेमारी करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। यह शासन-प्रशासन का सामान्य दायित्व है कि अस्पताल में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमतें न्यायसंगत व पारदर्शी हों। निस्संदेह उपभोक्ता को वस्तुओं की वास्तविक कीमत की जानकारी दी जानी चाहिए। जहां जरूरी हो, वहां उचित मार्जिन ही लिया जाना चाहिए। निस्संदेह, केंद्र सरकार को मुंढे की रिपोर्ट पर समय रहते उचित कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार में काम में आने वाले सामान की स्पष्ट बिलिंग हो। ताकि नाजायज ढंग से मुनाफा कमाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। ऐसा करना केंद्र व राज्य सरकारों का नैतिक दायित्व भी है।

भारत का सेमीकंडक्टर का दौर : रेत से सिलिकॉन और फिर सिस्टम तक

नेहा कुमारी

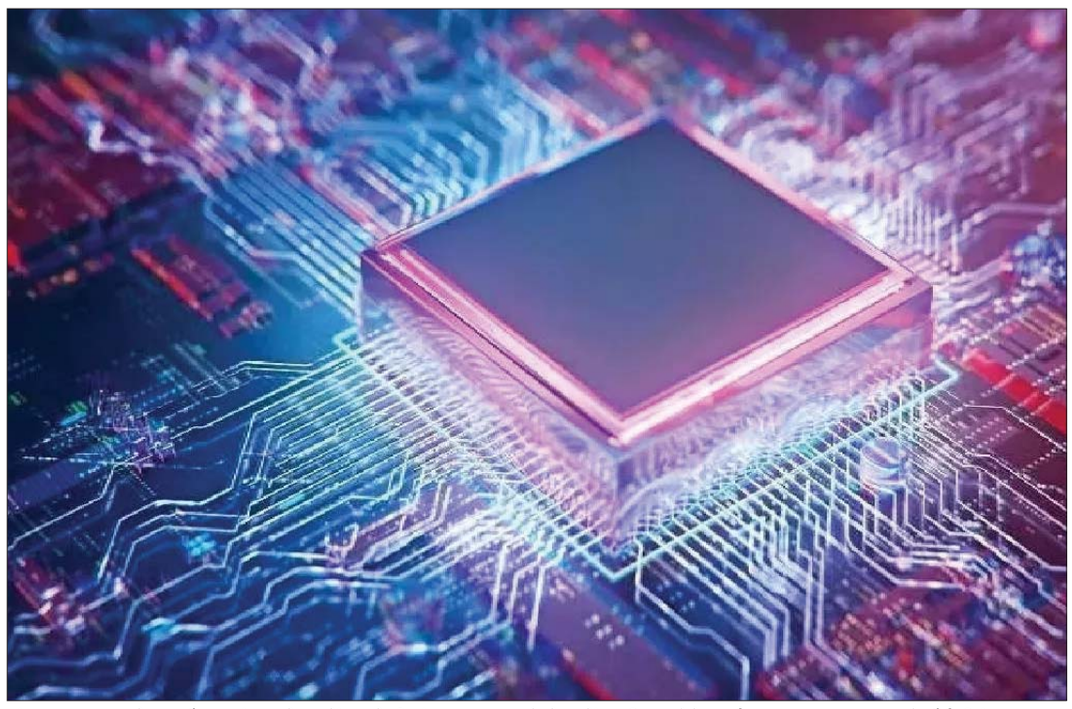

कई दशकों तक, सेमीकंडक्टर के मामले में भारत की स्थिति एक विरोधाभास वाली रही। भारतीय इंजीनियरों ने एडवांस्ड चिप्स को डिज़ाइन करने में मदद की, लेकिन देश उनके निर्माण, पैकेजिंग और टेस्टिंग के लिए विदेशी सुविधाओं पर बहुत ज़्यादा निर्भर था। अब यह अंतर कम होने लगा है। 2021 में 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' शुरू होने के बाद से, भारत ने पॉलिसी के इरादे से आगे बढ़कर फैक्टरियाँ बनाने, सप्लाई चेन विकसित करने, टैलेंट को ट्रेनिंग देने और कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

अगला काम अलग-अलग प्लांट लगाने से कहीं बड़ा है। एक सेमीकंडक्टर फैब (निर्माण इकाई) अकेले सफल नहीं हो सकती। यह लगातार पैकेजिंग और टेस्टिंग सुविधाओं, इक्विपमेंट के रखरखाव, बहुत शुद्ध केमिकल और गैसों, सटीक इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स, रिसर्च संस्थानों और कुशल लोगों पर निर्भर करती है। इन क्षमताओं को एक-दूसरे के करीब लाने से ट्रांसपोर्ट और इन्वेंट्री की लागत कम होती है, काम पूरा होने में लगने वाला समय घटता है, तालमेल बेहतर होता है और काम को पूरा करने से जुड़े जोखिम कम होते हैं। इसलिए, भारत को सिर्फ़ अलग-अलग फैब नहीं, बल्कि इंटीग्रेटेड सेमीकंडक्टर क्लस्टर बनाने होंगे।

भारत सरकार ने 76,000 करोड़ के 'सेमिकॉन इंडिया प्रोग्राम' और फैब्रिकेशन, असेंबली, टेस्टिंग, पैकेजिंग और चिप डिज़ाइन के लिए सहायता के ज़रिए इसकी नींव रखी है। छह राज्यों में बारह सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी गई है, जिनमें 1.64 लाख करोड़ से ज़्यादा का निवेश होगा। इनमें वेफर फैब्रिकेशन, एडवांस्ड पैकेजिंग, मेमोरी असेंबली और टेस्टिंग, कंपाउंड सेमीकंडक्टर और खास टेक्नोलॉजी शामिल हैं। असम, गुजरात, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में चल रहे प्रोजेक्ट्स एक-दूसरे की पूरक क्षमताएँ विकसित कर रहे हैं, जबकि डिज़ाइन कंपनियों, एडवांस्ड टूल्स, फ़ाउंड्री तक पहुँच और एकेडमिक सहयोग से इनोवेशन की प्रक्रिया मज़बूत हो रही है।

अब इस राष्ट्रीय प्रयास का आधार 'रेत से सिलिकॉन और फिर सिस्टम तक' का सिद्धांत होना चाहिए। भारत को तब फायदा होगा जब कच्चा माल और इक्विपमेंट सपोर्ट, चिप डिज़ाइन, फैब्रिकेशन, पैकेजिंग, टेस्टिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के साथ आसानी से जुड़ जाएँगे। एक ही जगह पर सुविधाएँ होने से सप्लायर की योग्यता को तेज़ी से परखा जा सकेगा, साझा इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल हो सकेगा और मैन्युफैक्चरर्स, स्टार्ट-अप्स और रिसर्चर्स मिलकर प्रोडक्शन से जुड़ी समस्याओं को हल कर पाएँगे। इससे घरेलू MSMEs को भी सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में शामिल होने में मदद मिल सकती है; वे बड़े ग्राहकों (एंकर कस्टमर्स) के पास अपनी इकाइयाँ लगाकर और धीरे-धीरे क्वालिटी और भरोसे के ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को पूरा करके ऐसा कर सकते हैं।

गुजरात यह दिखाता है कि बड़े राष्ट्रीय मिशन के तहत यह क्लस्टर अप्रोच कैसे आकार ले सकता है। राज्य ने भारत की पहली समर्पित सेमीकंडक्टर पॉलिसी शुरू की और 'गुजरात स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन' को एक सिंगल-पॉइंट सुविधा प्रदाता के तौर पर स्थापित किया। अब इसमें छह मंज़ूर प्रोजेक्ट और 1.24 लाख करोड़ से ज़्यादा का निवेश शामिल है। हालांकि, ज़्यादा अहम उपलब्धि धोलेरा, साणंद और सूरत के बीच फैब्रिकेशन, पैकेजिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, सप्लायर्स और टैलेंट के बीच बन रहा आपसी जुड़ाव है।

साणंद, माइक्रोन टेक्नोलॉजी, केन्स सेमीकॉन और सीजी सेमी की सुविधाओं के आस-पास एक बड़े पैकेजिंग क्लस्टर के तौर पर विकसित हो रहा है। गुजरात में तीन बड़ी सुविधाओं ने 2026 में कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। इनके कामकाज से इक्विपमेंट, खास तरह के केमिकल, इंडस्ट्रियल गैस, क्लीनरूम, टेस्टिंग, लॉजिस्टिक्स और प्रिसिजन इंजीनियरिंग की लगातार मांग पैदा होती है। यह मांग सप्लायर्स को आकर्षित कर सकती है, दूर के सर्विस नेटवर्क पर निर्भरता कम कर सकती है और भारतीय टेक्नोलॉजी कंपनियों और MSME के लिए मौके बना सकती है।

धोलेरा फैब्रिकेशन के लिए मुख्य केंद्र (एंकर) का काम करता है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन के साथ मिलकर, वहाँ भारत का पहला कमर्शियल सेमीकंडक्टर फैब लगा रही है। इसकी डुअल-ग्रिड बिजली, पक्की पानी की सप्लाई, ट्रीटमेंट सुविधाएं, एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी, इंटरनेशनल एयरपोर्ट और खास इंडस्ट्रियल ज़ोन सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए ज़रूरी मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर को दिखाते हैं। क्रिस्टल मैट्रिक्स का कंपाउंड-सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड-पैकेजिंग प्रोजेक्ट और सूरत में सुची सेमीकॉन की सुविधा गुजरात के टेक्नोलॉजी बेस और संभावित सप्लायर नेटवर्क को और बढ़ाती है।

क्लस्टर को फैक्ट्रियों को ज्ञान से भी जोड़ना चाहिए। पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी में पैकेजिंग ट्रेनिंग सेंटर, ChipIN एक्सटेंशन सेंटर और IIT गांधीनगर में SAMARTH नैनोफैब्रिकेशन सुविधा इंडस्ट्री के लिए तैयार टैलेंट, रिसर्च और प्रोसेस डेवलपमेंट में मदद कर सकती हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, एंकर प्लांट, यूनिवर्सिटी, डिज़ाइन सेंटर और साझा टेस्टिंग सुविधाओं के बीच ऐसे ही जुड़ाव उस क्षमता को बनाने के लिए ज़रूरी होंगे जो शुरुआती निवेश इंसेंटिव के बाद भी बनी रहे।

कोई भी देश अकेले पूरा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम नहीं बना सकता। ग्लोबल टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप, कैपिटल और मार्केट हमेशा ज़रूरी रहेंगे। भारत के पास मौका है कि वह इन्हें बड़े घरेलू मार्केट, बेहतरीन इंजीनियरिंग टैलेंट और भरोसेमंद संस्थानों के साथ जोड़े। 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम पर आधारित SEMICON India 2026, प्रोजेक्ट्स से क्लस्टर्स की ओर इस बदलाव को आगे बढ़ा सकता है। गुजरात एक अहम उदाहरण है, लेकिन मकसद राष्ट्रीय स्तर का है: ऐसे आपस में जुड़े सेमीकंडक्टर क्लस्टर बनाना जो रिस्क कम करें, घरेलू स्तर पर वैल्यू एडिशन बढ़ाएं और भारत को चिप्स, टेक्नोलॉजी और सिस्टम्स का भरोसेमंद ग्लोबल सोर्स बनाएं। कामयाबी को आखिर में कम लीड टाइम, तेज़ी से क्वालिफिकेशन और भारत में बनाई गई वैल्यू की बढ़ती हिस्सेदारी से मापा जाना चाहिए।

(लेखक गुजरात स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन के मिशन डायरेक्टर हैं।)

डिजाइनर फूड का काम किसी के भी मुंह में कुछ महसूस कराना है

एन. रघुरामन

हाल ही में मुंबई के पास करजत में अपनी दोस्त ममता शर्मा के फार्म हाउस की यात्रा के दौरान मैंने देखा कि उनका कुक स्टाइलिश तरीके से खाना बना रहा था। उसने धोया हुआ पालक का पत्ता उठाकर मुझे व दूसरे मेहमानों को दिखाया कि वह उसे बेसन के घोल में डुबोने से पहले कितनी सावधानी से साफ करता है।

फिर उसने उसे खौलते तेल की कड़ाही में बड़े करीने से उतारा। वह सुनहरा पीला होने लगा, लेकिन उसका थोड़ा-सा हरा हिस्सा अब भी दिख रहा था- मानो किसी महिला के स्लीवलेस ब्लाउज से उसकी पतली बांहें दिख रही हों।

जैसे ही पत्ता फ्राई हुआ, कुक उसे सजाने लगा। इस पर एक छोटा चम्मच दही डालते हुए वह एक दूसरी महिला गेस्ट से बोला कि 'मैडम जी, यह आपके मुंह में आइसक्रीम की तरह पिघल जाएगा।' फिर उसने उस पर गाढ़ी-सी हरी और मीठी चटनी रंगोली की तरह सजाई।

इसके बाद अनार के दाने ऐसे डाले, जैसे पत्ते को लाल ज्वेलरी पहना रहा हो। सुनहरा-पीला घोल, जिसमें से थोड़ा हरा हिस्सा भी दिख रहा था, उस पर सफेद दही और फिर हरे-भूरे रंग की चटनी- इसे देखकर मेरा मुंह खुला ही रह गया।

वह सजी-धजी फ्राइड-लीफ को पेपर प्लेट पर रखता, उससे पहले ही हमारे मुंह में पानी आने लगा। और जैसे ही आप पूरा पत्ता मुंह में रखो, कुछ होने लगता है। हमने आंखें बंद कर लीं और बस उस पल का आनंद लेने लगे। वहां खड़े-खड़े हमें पता ही नहीं चला कि हमने कितनी फ्राइड पालक लीव्स खा लीं।

हमारी मेंटल कैलकुलेशन सरल थी- यह पालक ही तो है, जिस पर कुछ टेस्टी लिक्विड्स डाले गए हैं। लेकिन ठीक यही डिजाइनर फूड का मैजिक है। बात अब सिर्फ यह नहीं कि आपके मुंह में क्या जा रहा है, बल्कि यह है कि आपके मुंह के भीतर क्या हो रहा है।

अभी गणेश पंडालों में या नवरात्र में गरबा ग्राउंड जाने पर हमारा बाहर खाना बढ़ जाएगा। हम ऐसे खाने की ओर आकर्षित होंगे, जो तोड़ने, खींचने के लिए डिजाइन हो या ऊजी दिखे। ऐसे फूड इसलिए ध्यान खींच रहे हैं, क्योंकि टेक्सचर सिर्फ स्वाद के जरिए नहीं, बल्कि देखने में भी खाने के मजे का एहसास करा सकता है।

तो नए इंडस्ट्री ट्रेंड में आपका स्वागत है, जहां खाने में टेक्सचर को क्रंची और गूई बनाया जा रहा है। बहुत से लोगों के लिए अब बड़ा आकर्षण यह बन गया है कि खाना मुंह के अंदर कैसा महसूस कराता है। ज्यादा क्रिस्पी स्नैक, ज्यादा झाग वाली कॉफी, ज्यादा नट्स वाली आइसक्रीम और ज्यादा जूसी कैंडीज।

टेक्सचर अब कॉम्प्लीमेंट्री फीचर से फूड क्वालिटी बताने वाला पहलू बन गया है। समोसे के टूटने से लेकर पानीपूरी के फूटने तक, कुनाला के चटकने से लेकर कुकी से स्टफिंग के रिसने तक और आइसक्रीम में क्रंच से क्रीम तक का स्वाद- ये सब हमें ज्यादा खाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

टेक्सचर खाने का इतना अभिन्न हिस्सा है कि जब लोगों से पूछा जाता है कि खाने का स्वाद कैसा है तो वे अकसर बताते हैं कि वह कैसा महसूस होता है। मेरी तरह मेहमानों के वो रिएक्शन याद कीजिए, जब मैंने ममता से कहा कि 'वाह, पत्ता क्रिस्पियर और कलरफुल था।' तीन साल पहले इस्तांबुल की यात्रा में मैंने स्ट्रेची आइसक्रीम चखी और आज भी मुझे उसके स्वाद से ज्यादा यह याद है कि जब मैंने उसे होंठ और दांतों से खींचा तो कैसा लगा था।

तब से टेक्सचर में दिलचस्पी काफी बढ़ गई है। यहां तक कि ऐसे साधारण-से क्रोइसां में भी, जिसमें इतना बटर भरा जाता है कि वह बाहर बह निकले। दुबई में चॉकलेट एंड साउंड जैसे फेस्टिवल होते हैं, जहां टेक्सचर का उस व्यक्ति को दिखाई और सुनाई देना जरूरी है, जो आपको खाते हुए देख रहा है।

एडवांस्ड पैकेजिंग के लिए एक विज़न: कम निवेश में ज्यादा से ज्यादा फायदा

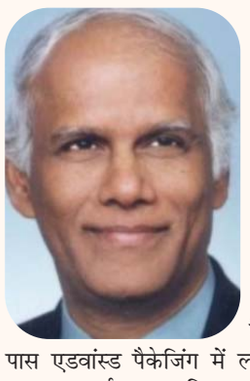

प्रोफेसर राव आर. तुम्माला

भारत अपनी सेमीकंडक्टर यात्रा के एक अहम मोड़ पर खड़ा है। जहाँ देश ने चिप डिज़ाइन और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाई है, वहीं अब उसके पास एडवांस्ड पैकेजिंग में लीडर बनने और आगे चलकर वर्ल्ड-क्लास सिस्टम फाउंड्री बनने का एक अनोखा मौका है। एडवांस्ड पैकेजिंग और वर्कफोर्स डेवलपमेंट पर ध्यान देकर, भारत इक्कीसवीं सदी की सेमीकंडक्टर-आधारित अर्थव्यवस्था बना सकता है। मेरी राय में, एडवांस्ड पैकेजिंग सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की सबसे रणनीतिक तकनीकों में से एक बनकर उभरी है। यह चिप्स, चिपलेट्स, मेमोरी, फोटोनिक्स, सेंसर, क्रस्न कंपोनेंट्स और पावर डिवाइस को ऐसे अत्यधिक फंक्शनल सिस्टम में एकीकृत करने में सक्षम बनाती है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन, ट्रांसपोर्टेशन, हेल्थकेयर, डिफेंस और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स को शक्ति प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे एआई की मांग बढ़ रही है, एडवांस्ड पैकेजिंग एक प्रमुख तकनीक बनती जा रही है जो सेमीकंडक्टर इनोवेशन को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों से जोड़ती है। यह अवसर पारंपरिक सिस्टम-ऑन-चिप प्रतिमान से सिस्टम-ऑन-पैकेज प्रतिमान में बुनियादी उद्योग बदलाव से और मजबूत होता है – एक ऐसी अवधारणा जिसे मैंने जॉर्जिया टेक में शुरू किया था। दशकों तक, सेमीकंडक्टर की प्रगति प्रदर्शन को बेहतर बनाने और लागत को कम करने के लिए ट्रांजिस्टर स्केलिंग पर निर्भर थी। आज, स्केलिंग को भौतिक, विद्युत और आर्थिक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, जबकि एडवांस्ड सेमीकंडक्टर निर्माण की लागत तेजी से बढ़ रही है। नतीजतन, इनोवेशन तेजी से ट्रांजिस्टर स्तर से पैकेज और सिस्टम स्तरों की ओर बढ़ रहा है।

भारत के लिए, एडवांस्ड पैकेजिंग सेमीकंडक्टर निर्माण में एक व्यावहारिक और अत्यधिक आकर्षक रास्ता है। एडवांस्ड वेफ़र निर्माण सुविधाओं के विपरीत, जिनके लिए अरबों डॉलर के निवेश की आवश्यकता होती है, एडवांस्ड पैकेजिंग में काफी कम पूंजी की आवश्यकता होती है, साथ ही यह उच्च-मूल्य वाले विनिर्माण और इनोवेशन के अवसर पैदा करती है। कई विशेष चिप्स को अनुकूलित आर्किटेक्चर में एकीकृत करके, एडवांस्ड पैकेजिंग बेहतर कार्यक्षमता, उच्च प्रदर्शन, कम बिजली की खपत, तेज़ विकास चक्र और बेहतर डिज़ाइन लचीलापन प्रदान करती है। मेरी राय में, भारत की महत्वाकांक्षा इस परिवर्तन में भागीदारी से कहीं अधिक होनी चाहिए। देश को एडवांस्ड पैकेजिंग के चुनिंदा रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक लीडर बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए।

इस विज़न के लिए एक व्यापक सेमीकंडक्टर-टू-सिस्टम इकोसिस्टम के विकास की आवश्यकता है जिसमें सिस्टम डिज़ाइन और आर्किटेक्चर, एडवांस्ड सब्सट्रेट और इंटरकनेक्ट तकनीक, एम्बेडेड पावर इंटीग्रेशन, असेंबली और टेस्टिंग, विश्वसनीयता इंजीनियरिंग, वर्कफ़ोर्स डेवलपमेंट, व्यावसायीकरण और स्टार्टअप निर्माण शामिल हों। इस विज़न के केंद्र में एक नेशनल इनोवेशन इकोसिस्टम है, जिसे एकेडेमिया, इंडस्ट्री, स्टार्टअप और सरकार के बीच मज़बूत पार्टनरशिप से बनाया जाएगा। मैं IIT, IISc और BITS जैसे प्रमुख संस्थानों में नौ 'इंडस्ट्री को-डेवलपमेंट टेक्नोलॉजी सेंटर' बनाने का प्रस्ताव रखता हूँ, साथ ही एक 'नेशनल सिस्टम इंटीग्रेशन सेंटर' और IIT गांधीनगर में एक 'पायलट लाइन' भी बनाने का प्रस्ताव है। ये सेंटर चिपलेट आर्किटेक्चर, ग्लास-कोर सबस्ट्रेट्स, पावर-एफिशिएंट पैकेजिंग, फोटोनिक पैकेजिंग, थर्मल मैनेजमेंट, रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग और एडवांस्ड टेस्टिंग जैसी रणनीतिक तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पायलट लाइन रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग के बीच एक अहम कड़ी का काम करेगी, जिससे लैब में हुए इनोवेशन को तेज़ी से कमर्शियली सफल उत्पादों में बदला जा सकेगा।

यह रिसर्चर्स, स्टूडेंट्स, स्टार्टअप्स और इंडस्ट्री पार्टनर्स को कमर्शियलाइज़ेशन से पहले अगली पीढ़ी की तकनीकों को विकसित करने, वैलिडेट करने और स्केल करने का माहौल देगा। इस रणनीति की एक खास विशेषता इसका 'डिस्ट्रिब्यूटेड इनोवेशन मॉडल' है। संसाधनों और विशेषज्ञता को एक ही जगह केंद्रित करने के बजाय, देश भर में बने विशेष सेंटर एक-दूसरे की पूरक क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यह 'हब-एंड-स्पोक' अप्रोच भारत की विविध क्षमताओं का लाभ उठाएगा, क्षेत्रीय प्रतिभाओं को विकसित करेगा, लचीलापन बढ़ाएगा, इंडस्ट्री की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा और देश भर में इनोवेशन को तेज़ करेगा।

इंडस्ट्री के साथ करीबी जुड़ाव यह सुनिश्चित करेगा कि रिसर्च बाज़ार की ज़रूरतों के अनुरूप रहे और तेज़ी से कमर्शियलाइज़ेशन की दिशा में आगे बढ़े। वर्कफोर्स डेवलपमेंट भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को हज़ारों इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, तकनीशियनों, ऑपरेटरों और मैन्युफैक्चरिंग स्पेशलिस्ट्स की ज़रूरत होगी। भारत इंटरडिसिप्लिनरी एकेडमिक प्रोग्राम्स, इंडस्ट्री इंटर्नशिप, प्रोफेशनल सर्टिफिकेशन, पायलट-लाइन ट्रेनिंग और सहयोगी रिसर्च पहलों के ज़रिए इस टैलेंट पाइपलाइन का निर्माण कर सकता है। शिक्षा को इंडस्ट्री की ज़रूरतों के अनुरूप बनाकर, देश दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे सक्षम सेमीकंडक्टर वर्कफोर्स में से एक विकसित कर सकता है। एडवांस्ड पैकेजिंग भारत के तकनीकी आत्मनिर्भरता, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक लक्ष्यों का भी समर्थन करती है। चूँकि ग्लोबल सप्लाई चेन भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन पार्टनर्स की तलाश में हैं, इसलिए भारत एडवांस्ड पैकेजिंग, असेंबली और टेस्टिंग के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर सकता है। यह रणनीति आयात पर निर्भरता कम कर सकती है, उच्च-मूल्य वाली नौकरियाँ पैदा कर सकती है, निवेश आकर्षित कर सकती है, स्टार्टअप निर्माण को तेज़ कर सकती है और राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को मज़बूत कर सकती है। हालाँकि, इस विज़न को हासिल करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता, रणनीतिक निवेश, समन्वित नीतियों और सरकार, इंडस्ट्री व एकेडेमिया के बीच गहरी पार्टनरशिप की आवश्यकता होगी। लेकिन इसके परिणाम क्रांतिकारी होंगे।

(लेखक एडवांस्ड पैकेजिंग के जनक, जॉर्जिया टेक में एमेरिटस प्रोफेसर और ISM के सलाहकार हैं।)

राधा अष्टमी

पावन हर्षित बेला आई।
गाओ मंगलगान बधाई।।
थाल आरती द्वार सजाई।
ब्रजमण्डल में खुशियाँ छाई।।

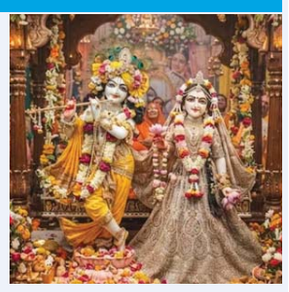

लक्ष्मी रूप लिए अवतारी।
जन्म दिवस श्री राधा प्यारी।।

मातु कीर्ति जाए बलिहारी।
जन्म हुआ वृषभानु दुलारी।।
परम पुनीता रास किशोरी।
बरसाने की राधा गोरी।।
जल भरने को आती छोरी।
कान्हा से करती बरजोरी।।

आँखें जिनकी काली-काली।
घुँघर केश लट सजे निराली।।

कृष्ण प्रेम रस पीती प्याली।
वंशी धुन में है मतवाली।।

कुंज गलिन में रास रचाती।
मनमोहन से प्रीत निभाती।।

कृष्ण नाम की रटन लगाती।
विरह व्यथा में जल-जल जाती।।

गाती 'सुषमा' आप जुबानी।
कृष्ण प्रिया की अमिट कहानी।।

मंत्र जाप नित राधा रानी।
भवसागर तरते गुणज्ञानी।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल
(रायपुर छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

एआई के आधुनिक उपयोग पर विशेषज्ञों ने किया जागरूक

भिलाई। शासकीय वी.वाई.टी. पी.जी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के जूलॉजी विभाग द्वाराआईक्यूएसी एवं आईआईसी के बैनर तले तथा रूसा के प्रायोजन में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला डेटा विश्लेषण और बौद्धिक संपदा अधिकार के दूसरे दिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधुनिक उपयोग एवं साइबर सुरक्षा विषयों पर दो विशेष विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। सत्रों में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सत्र संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रहे, जिनमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछकर जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। वास्तविक जीवन के उदाहरणों एवं व्यावहारिक जानकारियों के माध्यम से ‸ द्ब के प्रभावी उपयोग, साइबर जागरूकता, डिजिटल जिम्मेदारी तथा सुरक्षित तकनीकी व्यवहार के महत्व को स्पष्ट किया गया।

मेरे सपनों का भारत’ में काजल ने रखे अपने विचार

दुर्ग। शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग की छात्रा काजल प्रजापति ने ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर अपने विचार साझा करते हुए ऐसे भारत की कल्पना प्रस्तुत की, जहां प्रत्येक बच्चे को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। काजल ने अपने विचारों में स्वच्छ एवं समृद्ध समाज की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांव और शहर स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त हों।

मृतक के परिजनों को मिली 4-4 लाख की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राकृतिक आपदा एवं दुर्घटनाओं में मृतकों के परिजनों को 04–04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। ग्राम चंदखुरी तहसील व जिला दुर्ग निवासी स्व. खेमराज देवांगन, ग्राम अमेरी तहसील पाटन निवासी स्व. इन्दरमन ठाकुर, वार्ड 17 कादंबरी नगर दुर्ग निवासी स्व. अनिल बंसल व ग्राम भाठागांव तहसील पाटन निवासी स्व. सेवक दास बारले के परिजनों को कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों (आरबीसी 6–4) के अनुरूप 4 लाख–4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

प्रियदर्शिनी परिसर में सुभाष बोस प्रतिमा स्थल पर की गई सफाई

भिलाई। भाजपा के जिला शिक्षा प्रकोष्ठ भिलाई की टीम ने प्रियदर्शनी नगर में सुपेला अंडर ब्रिज के पास स्थित चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया। मीडिया प्रभारी गुरनाम सिंह के अनुसार यह पहल संयोजक विनोद उपाध्याय के नेतृत्व में की गई, जिसमें चौराहे पर साफ-सफाई कर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान : पीएम सूर्य घर योजना से जगमगाया वरुणी का घर, आधा हुआ बिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप समाज के हर वर्ग के विकास प्रयासों की कड़ी में छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आम नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसी सेवा संकल्प के तहत संचालित 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' से दुर्ग जिले के ग्राम धनोरा निवासी वरुणी साहू के जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है।

दुर्ग जिले के ग्राम धनोरा में रहने वाली वरुणी साहू एक आम गृहिणी हैं। उनका परिवार काफी बड़ा है, और बड़े परिवार के साथ बिजली का बिल भी बड़ा ही आता था। वरुणी जी बताती हैं कि हर महीने आने वाला भारी–भरकम बिजली का बिल उनके घर के बजट पर एक बड़ा बोझ था। उनकी चिंता जायज थी, आखिर इतनी बिजली की खपत का खर्च उठाना किसी के लिए भी आसान नहीं होता। वरुणी जी को 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के बारे में पता चला।

यह योजना उन जैसे लाखों परिवारों के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर आई है, जो बिजली के बढ़ते खर्च से परेशान हैं। बिना देर किए, उन्होंने इस योजना के तहत अपने घर की छत पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगवाने का फैसला किया। जनवरी 2025 में यह सपना साकार हुआ और उनके घर की छत पर सूरज की रोशनी को बिजली में बदलने वाले पैनल स्थापित हो गए। सोलर पैनल लगने के बाद वरुणी जी के घर का बिजली का बिल लगभग आधा हो गया है।

पहले जहां उन्हें पूरी बिजली के लिए भुगतान करना पड़ता था, अब तस्वीर बदल चुकी है। उन्होंने बताया कि उनके यहाँ कुल 2662 यूनिट बिजली की खपत हुई, जबकि उनके सोलर पैनल से 1283 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। जिससे अब उन्हें केवल शेष 1379 यूनिट बिजली का ही भुगतान करना पड़ता है। 2.5 लाख रुपये की लागत से लगे इस सोलर पैनल के लिए उन्हें सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी भी मिली है, जिससे यह निवेश उनके लिए और भी आसान हो गया।

बच्चों ने रंगों में उकेरी विकसित भारत की तस्वीर, शिक्षा मंत्री यादव ने बढ़ाया उत्साह

सेवा संकल्प अभियान के तहत पाटन में ड्रॉइंग एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पाटन स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित ड्रॉइंग एवं रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से विकसित भारत के अपने सपनों और कल्पनाओं को जीवंत रूप दिया। छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी कला, रचनात्मक सोच और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कार्यक्रम में शामिल होकर विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों एवं रंगोलियों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से उनकी कलाकृतियों के विषय में संवाद किया और उनकी कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने देश की प्रगति, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक सहित विभिन्न विषयों को अपनी कलाकृतियों में स्थान दिया। रंगोली के माध्यम से भी बच्चों ने विकसित और

आत्मनिर्भर भारत की अपनी कल्पना को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय परिसर में सजी रंग–बिरंगी कलाकृतियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और भविष्य के भारत को लेकर उनकी सोच की सुंदर झलक प्रस्तुत की।शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से विकसित भारत की सुंदर तस्वीर को कागज और रंगों पर जीवंत रूप से उकेरा है। इन कलाकृतियों में केवल रंग और आकृतियां ही नहीं, बल्कि बच्चों के सपने, उनकी सोच और देश के भविष्य को लेकर उनकी कल्पनाएं भी दिखाई देती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसे साकार करने में युवाओं और विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज के विद्यार्थी ही भविष्य के भारत का नेतृत्व करेंगे। इसलिए बच्चों में प्रारंभ से ही रचनात्मक सोच, नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना आवश्यक है। श्री यादव ने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें पढ़ाई के साथ–साथ कला, खेल, विज्ञान, तकनीक और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। ऐसी गतिविधियां बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी प्रतियोगिता में सफलता का अर्थ केवल पुरस्कार प्राप्त करना नहीं है। अपनी प्रतिभा को मंच पर प्रस्तुत करना, दूसरे विद्यार्थियों की कला को देखना और उनसे सीखना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, सहयोग की भावना और अपनी प्रतिभा के प्रति विश्वास विकसित करते हैं।शिक्षा मंत्री श्री यादव ने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानना और उसे आगे बढ़ने के अवसर देना विद्यालय एवं शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के जितने अधिक अवसर मिलेंगे, उनका आत्मविश्वास उतना ही मजबूत होगा और वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

कर वसूली में लापरवाही पर आयुक्त नाराज, सर्वे में तेजी लाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में कर वसूली कार्य को प्रभावी एवं लक्ष्य के अनुरूप संचालित करने के उद्देश्य से निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने सभागार कक्ष में संबंधित अधिकारियों एवं वसूली एजेंसी के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में कर वसूली की प्रगति, डोर–टू–डोर सर्वे, ड्रोन सर्वे सहित निगम के मैदानी कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

आयुक्त ने वसूली एजेंसी एसपीएस द्वारा किए जा रहे कर वसूली कार्यों की गहन समीक्षा की। अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए एजेंसी को वसूली कार्य में गंभीरता एवं तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डोर–टू–डोर सर्वे कार्य की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने संबंधित टीम को सर्वे कार्य में गंभीरता बरतते हुए प्रत्येक क्षेत्र में व्यवस्थित एवं प्रभावी सर्वे करने के निर्देश दिए। वहीं आईआईटी टीम द्वारा किए जा रहे ड्रोन सर्वे कार्य को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। निगम के मैदानी कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे वाहनों की लोकेशन एवं उनके संचालन की नियमित निगरानी की जा सकेगी। इसके साथ ही प्लेसमेंट कर्मचारियों की उपस्थिति एवं कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली लागू की जा रही है। इससे कर्मचारियों की उपस्थिति एवं मैदानी कार्यों की निगरानी को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाया जा सकेगा।

आयुक्त ने जोन आयुक्तों एवं सहायक राजस्व अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए अपने–अपने क्षेत्रों में कर वसूली, सर्वे तथा अन्य मैदानी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की निरंतर समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र दोहरे, उपायुक्त डीके कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू तथा राजस्व अधिकारी जेपी तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा

भिलाई। देश के प्रधानमंत्री जी की सार्वजनिक सेवा समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासन द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान की इस कड़ी में जिले के सभी विद्यालयों में शुक्रवार 18 सितम्बर को मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा अंतर्गत ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें स्कूली बच्चों ने बढ़–चढ़ कर अपनी भागीदारी ली। इस दौरान सभी स्कूलों के विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण, मेरे सपनों का भारत, विकसित भारत–2047, डिजिटल इंडिया और ऑपरेशन सिन्दूर शीर्षक के आधार पर नयनाभिराम चित्र बनाकर प्रदर्शित किया। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सेजेश विद्यालय दीपक नगर पहुंचकर स्कूली बच्चों द्वारा बनाये गये ड्राइंग का अवलोकन किया।

बिना अनुज्ञप्ति संचालन एवं गीला-सूखा कचरा अलग नहीं करने पर चालान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार 18 सितंबर 2026 को जोन क्रमांक–01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक–12, रानी अवंती बाई कोहका क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) नहीं पाए जाने तथा गीला एवं सूखा कचरा पृथक–पृथक नहीं रखने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान अदिति कैफे फास्ट फूड पर अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं होने पर 2000, जय मां शारदा स्वीट्स बेकरी पर 1500 तथा गीला–सूखा कचरा पृथक नहीं

रखने पर 500 का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार फ्यूजन तड़का पर गीला एवं सूखा कचरा पृथक नहीं रखने पर 1000 तथा अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं पाए जाने पर 4000 की चालानी कार्रवाई की गई। इस प्रकार कुल 9000 की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई। निगम द्वारा प्रतिष्ठान संचालकों को अनुज्ञप्ति लाइसेंस अनिवार्य रूप से प्राप्त करने तथा गीले एवं सूखे कचरे को पृथक–पृथक रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक में गौधामों के बेहतर संचालन पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर सिंह ने गौधामों में पानी, चारा और चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए। बैठक में गौधामों के संचालन एवं व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। जिन गौधामों का संचालन नगरपालिका द्वारा नहीं किया जा सकता, वहां इच्छुक संस्था अथवा समिति से संचालन के लिए प्रस्ताव लेने के निर्देश दिए गए। पाटन, अमलेश्वर और अहिवारा के गौधामों के संचालन के लिए इच्छुक संस्थाओं एवं

समितियों से प्रस्ताव लेने कहा गया। बैठक में निर्देशित किया गया कि जहां गौधाम संचालित हो रहे हैं, वहां निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं के लिए पर्याप्त पानी, चारा और चिकित्सा की व्यवस्था सुनिश्चित हो। पशुओं के संरक्षण एवं देखभाल में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए।

गौधाम का उद्देश्य निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं तथा छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 एवं छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण नियम, 2014 के अंतर्गत जप्त गौवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करना है। इसके साथ ही गौ उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम विकसित करना, गौधामों को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, पशु नस्ल सुधार को प्रोत्साहित करना है।

भगवान गणेश को अर्पित किया शारदीय नवरात्र का प्रथम आमंत्रण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सनातन हिन्दू धर्म, संस्कृति एवं परंपरा में किसी भी शुभ कार्य को करने से पूर्व सर्वप्रथम प्रथम पूजनीय, विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की पूजा–अर्चना कर उनका आह्वान किया जाता है। इसी सनातन संस्कृति एवं धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए सुभाष नवयुवक जागृति समिति ने इस वर्ष भी लालमैदान के पवित्र प्रांगण में आयोजित होने वाले 55वें शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का प्रथम आमंत्रण भिलाई के सुप्रसिद्ध एवं सिद्धपीठ श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर, सेक्टर–5, भिलाई में विराजमान भगवान श्री गणपति जी महाराज को अर्पित किया।

लालमैदान दुर्गोत्सव समिति, भिलाई के प्रतिनिधिमंडल ने श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर, सेक्टर–5 पहुँचकर विधि–विधान से भगवान श्री गणेश जी की पूजा–अर्चना की तथा शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का प्रथम आमंत्रण श्री गणपति जी महाराज को अर्पित किया। समिति के सदस्यों ने नतमस्तक होकर श्री गणेश जी का आह्वान किया कि गत

वर्ष की भांति इस वर्ष भी वे लालमैदान पधारें, अपना आशीर्वाद बनाए रखें और मातारानी के शारदीय नवरात्र उत्सव से जुड़े समस्त कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण हों। इसके पश्चात समिति का प्रतिनिधिमंडल माँ राजराजेश्वरी मंदिर पहुँचा, यहाँ मातारानी की आरती एवं भोलेबाबा का अभिषेक किया गया। साथ ही मंदिर में विराजमान सभी देवी–देवताओं को भी शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का आमंत्रण अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल माँ सिंहवाहिनी मंदिर पहुँचा, जहाँ से प्रतिवर्ष लालमैदान में विराजमान होने वाले मातारानी के दिव्य मूर्ति स्वरूप का आगमन होता है। यहाँ पूजा–अर्चना कर मातारानी सहित मंदिर में विराजमान सभी देवी–देवताओं को शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का आमंत्रण अर्पित कर आयोजन हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसी धार्मिक यात्रा के अगले क्रम में समिति का प्रतिनिधिमंडल एम्प्लॉयमेंट मैदान, पावर हाउस में विराजमान सब्जी मंडी के राजा श्री गणपति जी महाराज के दर्शन हेतु पहुँचा। यहाँ भी पूजा–अर्चना कर श्री गणपति को शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का आमंत्रण अर्पित किया गया तथा मंगलमय एवं निर्विघ्न आयोजन हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

ज्ञात हो कि सुभाष नवयुवक जागृति समिति, लालमैदान, पावर हाउस, भिलाई भिलाई–दुर्ग की प्राचीन एवं प्रमुख दुर्गोत्सव समितियों में से एक है। समिति पिछले 54 वर्षों से लालमैदान के पवित्र प्रांगण में शारदीय नवरात्र के अवसर पर मातारानी के भव्य एवं अनूठे पंडाल का निर्माण कराकर नवरात्र उत्सव का आयोजन करती आ रही है। अपने पंडाल एवं आयोजन के माध्यम से समिति प्रतिवर्ष धर्म, संस्कृति, संस्कार एवं सामाजिक समरसता से जुड़ा एक सार्थक संदेश समाज तक पहुँचाने का प्रयास करती है। शारदीय नवरात्र के दौरान लालमैदान मातारानी के दर्शन हेतु आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनता है। इस वर्ष समिति के आयोजन का 55वां वर्ष है।

126 सरोवरों में रोशनी जल संरक्षण का संकल्प

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के 126 अमृत सरोवरों में ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाया गया। इनमें दुर्ग के 38, धमधा के 50 और पाटन के 38 अमृत सरोवर शामिल हैं।

ग्रामीणों ने सरोवरों के किनारे दीप प्रज्ज्वलित कर जल संरक्षण की इन परिसंपत्तियों के संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत थनौद, जनपद पंचायत दुर्ग में निर्मित अमृत सरोवर के किनारे भी ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्ज्वलित किया गया। सरपंच मोनका देशमुख, सचिव रेखा साहू और पंच धनराज देवांगन की मौजूदगी में ग्रामीणों ने दीप जलाकर जल संरक्षण और अमृत सरोवर के सतत संरक्षण का संकल्प लिया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

उद्योगों का नया केंद्र बनने की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री साय ने रायपुर में किया 'इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2026' का शुभारंभ
- देशभर के 300 से अधिक एमएसएमई उद्यमी तीन दिवसीय औद्योगिक मेले में ले रहे हिस्सा
- आईटी, सेमीकंडक्टर, फार्मा, टेक्सटाइल और ग्रीन एनर्जी सहित उभरते सेक्टरों पर राज्य सरकार का विशेष फोकस
- निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ उद्योगों के लिए 'एक्सीलरेटर' की भूमिका निभा रही राज्य सरकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2026' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए उद्यमियों, निवेशकों और औद्योगिक प्रतिनिधियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वागत करते हुए उन्हें प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने और यहां उपलब्ध निवेश की व्यापक संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज अपनी पारंपरिक औद्योगिक ताकत के साथ नई अर्थव्यवस्था और उभरते उद्योगों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। खनिज, ऊर्जा, वन संपदा, पर्याप्त मानव संसाधन और देश के मध्य में अनुकूल भौगोलिक स्थिति हमारी स्वाभाविक ताकत है। राज्य सरकार इन खूबियों को आधुनिक तकनीक, बेहतर अधोसंरचना और निवेशक हितैषी नीतियों से जोड़कर छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

नई औद्योगिक नीति से निवेश को मिली नई गति

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने उद्योग जगत, निवेशकों और विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद औद्योगिक विकास नीति 2024-30 लागू की है। इस नीति का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि ऐसा औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार करना है, जिसमें निवेश, उत्पादन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था एक साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, निवेशकों को प्रोत्साहन, नए एवं उभरते सेक्टरों को बढ़ावा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। नीति लागू होने के बाद प्रदेश को बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और प्रसन्नता की बात है कि अनेक परियोजनाओं पर धरातल पर काम भी प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल कोयला, स्टील और सीमेंट जैसे पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं है। राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक आधार को विविधता देने के लिए आईटी, सेमीकंडक्टर, फार्मा, टेक्सटाइल, ग्रीन एनर्जी सहित विभिन्न नए और भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों को प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में लगभग 1100 करोड़ रुपए की सेमीकंडक्टर परियोजना पर कार्य प्रारंभ होना इस बदलते औद्योगिक परिदृश्य का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। यहां आधुनिक अधोसंरचना के साथ नए उद्योगों और तकनीक आधारित कंपनियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। राज्य में टेक्नोलॉजी हब और इंडस्ट्री एक्सीलेंस हब विकसित करने की दिशा में भी सरकार आगे बढ़ रही है।

'निवेशकों के लिए प्रक्रियाएं सरल, सरकार बनेगी सहभागी'

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी राज्य में उद्योग तभी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं, जब निवेशकों को नीतिगत स्थिरता के साथ सरल और पारदर्शी प्रक्रियाएं मिलें। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से उद्योग स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाने की दिशा में काम किया है, ताकि निवेशकों को विभिन्न कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि उद्योगों को समय पर आवश्यक भूमि, अधोसंरचना और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार चाहती है कि उद्यमी अपना समय और ऊर्जा प्रक्रियागत जटिलताओं में लगाने के बजाय उत्पादन, नवाचार, विस्तार और रोजगार सृजन में लगाएं।

'खनिज, ऊर्जा और वन संपदा छत्तीसगढ़ की बड़ी ताकत'

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से देश के सबसे समृद्ध राज्यों में शामिल है। कोयला, लौह अयस्क और बॉक्साइट सहित अनेक महत्वपूर्ण खनिज यहां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। इन संसाधनों का प्रदेश के भीतर अधिक से अधिक मूल्य संवर्धन हमारी औद्योगिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत से अधिक भू-भाग वनाच्छादित है। प्रदेश में इमली, महुआ, चिरौंजी, हर्रा-बहेड़ा सहित अनेक प्रकार की लघु वनोपज और औषधीय संसाधन उपलब्ध हैं। इनका वैज्ञानिक प्रसंस्करण और वैल्यू एडिशन कर वनांचल में उद्योग एवं रोजगार की नई संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं।

'स्थानीय युवाओं के रोजगार से जुड़ेगा औद्योगिक विकास'

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि औद्योगिक विकास का वास्तविक लाभ तभी है, जब उससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। इसीलिए नई औद्योगिक नीति में स्थानीय रोजगार को विशेष महत्व दिया गया है। अधिक संख्या में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा औद्योगिक विकास है, जिसमें प्रदेश का युवा केवल रोजगार तलाशने वाला न रहे, बल्कि अपने कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता के बल पर रोजगार देने वाला भी बने। सरकार युवाओं को कौशल, तकनीक, बाजार और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की भूमिका केवल उद्योगों के लिए नियामक की नहीं है। हम सरकार को उद्योग और निवेश की राह आसान करने वाले सहयोगी और 'एक्सीलरेटर' के रूप में विकसित कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि निवेश का प्रस्ताव आने से लेकर उद्योग के धरातल पर स्थापित होने तक हर चरण में निवेशकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था मिले। मुख्यमंत्री ने लघु उद्योग भारती द्वारा राष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण औद्योगिक आयोजन के लिए रायपुर का चयन किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई का विस्तार होने से स्थानीय स्तर पर उद्यमिता बढ़ती है, रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और आर्थिक गतिविधियों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्योग भारती देशभर के 750 से अधिक जिलों में उद्यमियों को संगठित कर उद्योग और उद्यमिता को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ के 25 जिलों में भी 1200 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्योग संगठन से जुड़े हैं। 18 से 20 सितम्बर तक आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में देशभर के 300 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों की भागीदारी इस आयोजन के महत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह औद्योगिक मेला केवल उत्पादों और तकनीकों की प्रदर्शनी नहीं है। यह उद्यमियों के बीच संवाद, अनुभव, नवाचार और तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है। इसके माध्यम से नए व्यावसायिक संबंध बनेंगे, नई संभावनाओं पर चर्चा होगी और युवाओं को उद्योग तथा उद्यमिता की दुनिया को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का 14वां संस्करण छत्तीसगढ़ की औद्योगिक विकास यात्रा के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश उद्योगों के क्षेत्र में नई और लंबी उड़ान के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश के अलग-अलग हिस्सों से आए उद्यमियों को एक-दूसरे के उत्पाद, तकनीक, नवाचार और अनुभव को समझने तथा नई व्यावसायिक संभावनाएं तलाशने का अवसर देगा। उद्योगों के विस्तार से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने उद्यमियों से छत्तीसगढ़ की औद्योगिक संभावनाओं के साथ प्रदेश के पर्यटन और तीर्थ स्थलों को भी देखने का आग्रह किया। उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में लागू नई औद्योगिक नीति में निवेशकों को आकर्षित करने और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। सरकार के प्रयासों से प्रदेश में निवेश प्रस्ताव आने के साथ उनका क्रियान्वयन भी धरातल पर दिखाई देने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में छोटे और बड़े नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं, जिनसे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। लघु उद्योगों को प्रोत्साहन, उद्यमियों की समस्याओं के समाधान और नए निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। अलग-अलग सेक्टरों में संवाद और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्यमियों को राज्य की नीतियों तथा उपलब्ध अवसरों से जोड़ा जा रहा है।

लघु उद्योग भारती के श्री प्रकाश चंद्र गुप्त ने कहा कि संगठन पिछले 32 वर्षों से देश के सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को संगठित करने तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को केंद्र एवं राज्य सरकारों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में लघु और विकेंद्रीकृत उद्योगों की समृद्ध परंपरा रही है। वर्तमान समय में इन्हें आधुनिक बाजार, नई तकनीक और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क से जोड़ने की आवश्यकता है। इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर इसी उद्देश्य से उद्यमियों को साझा मंच उपलब्ध करा रहा है। तीन दिवसीय आयोजन में उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन के साथ नए व्यावसायिक संपर्क बनाने, नवाचार साझा करने और भविष्य की औद्योगिक संभावनाओं पर संवाद करने का अवसर मिलेगा। इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2026 में देश और प्रदेश की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा बड़ी संख्या में स्टॉल लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मेले के विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रदर्शित उत्पादों, तकनीकों एवं नवाचारों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधियों एवं उपचार पद्धतियों से लेकर आधुनिक मशीनरी, आईटी और नवीन तकनीक आधारित औद्योगिक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों और औद्योगिक प्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद कर उनकी व्यावसायिक गतिविधियों, नवीन तकनीकों और औद्योगिक अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने उद्यमियों से छत्तीसगढ़ में उपलब्ध निवेश अवसरों और उद्योगों के लिए विकसित किए जा रहे अनुकूल वातावरण पर भी चर्चा की।

बस्तर में पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए व्यापक संभावनाएं

मुख्यमंत्री साय ने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और पर्यटन संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के साथ पर्यटन क्षेत्र में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार पर्यटन को रोजगार और स्थानीय आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर के जलप्रपात, घने वन, प्राकृतिक स्थल और विशिष्ट जनजातीय संस्कृति देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। होम-स्टे जैसी पहलों के माध्यम से पर्यटन को सीधे स्थानीय परिवारों की आजीविका से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए उद्यमियों से आग्रह किया कि वे औद्योगिक मेले के साथ छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को भी देखें और प्रदेश में उपलब्ध निवेश की विविध संभावनाओं को करीब से समझें।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन इकाइयाँ लीज पर देने की तैयारी, खुलेगा नया अवसर

'एक्सप्लोर, इनवेस्ट, ट्रांसफार्म' थीम पर प्री-एनआईटी कॉन्फ्रेंस, बेहतर संचालन और पर्यटक सुविधाओं के विस्तार पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा देने और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की विभिन्न पर्यटन इकाइयों को लीज़ पर दिए जाने की प्रक्रिया को निवेशकों के लिए सरल एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से 'एक्सप्लोर, इनवेस्ट, ट्रांसफार्म' थीम पर प्री-एनआईटी (नोटिस इनवाइटिंग टेंडर) कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

निवेश की संभावनाओं को मिल रही नई दिशा

पर्यटन एवं संस्कृति सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने निवेशकों एवं स्टेकहोल्डर्स को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य नेतृत्व के मार्गदर्शन में पर्यटन उद्योग को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद छत्तीसगढ़ स्पष्ट रणनीति के साथ पर्यटन विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य में पर्यटक सुविधाओं के विस्तार और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और विविध पर्यटन स्थलों को बेहतर सुविधाओं से जोड़कर पर्यटन गतिविधियों का विस्तार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य में सुरक्षा एवं परिस्थितियों में सुधार के साथ पर्यटन गतिविधियों में भी बढ़ोतरी हुई है और निवेशकों की रुचि पर्यटन क्षेत्र में बढ़ रही है।

कॉन्फ्रेंस में निवेशकों और स्टेकहोल्डर्स को पर्यटन बोर्ड की विभिन्न प्रॉपर्टीज, लीज़ एवं टेंडर प्रक्रिया, उपलब्ध सरकारी प्रोत्साहनों, पीपीपी मॉडल तथा डिजिटल तकनीक के उपयोग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही पर्यटन क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाकर पर्यटक सुविधाओं के विस्तार और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को नई गति देने की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

पर्यटन बोर्ड की प्रॉपर्टीज में निवेश के अवसरों की दी जानकारी

कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे के प्रस्तुतीकरण से हुई। उन्होंने उपस्थित निवेशकों एवं स्टेकहोल्डर्स को बोर्ड के विभिन्न होटल, मोटल, रिसॉर्ट एवं पर्यटन इकाइयों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रॉपर्टीज की लोकेशन, उपलब्ध सुविधाओं, प्रमुख विशेषताओं तथा पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में उनके विकास की संभावनाओं से अवगत कराया।

श्री चौबे ने बताया कि छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की कई प्रॉपर्टीज प्रमुख पर्यटन स्थलों और आकर्षक लोकेशन पर स्थित हैं। निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता एवं निवेश के माध्यम से इन इकाइयों में पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं का विकास किया जा सकता है। उन्होंने लीज़ एवं टेंडर प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए निवेशकों और स्टेकहोल्डर्स की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समाधान भी किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड का प्रयास है कि निवेशकों को लीज़ प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां स्पष्ट, पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अधिक से अधिक योग्य निवेशक इसमें भाग ले सकें और पर्यटन इकाइयों का बेहतर संचालन एवं विकास सुनिश्चित हो सके। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विविधताओं से समृद्ध राज्य है। यहां के पर्यटन स्थल केवल भ्रमण के केंद्र नहीं हैं, बल्कि राज्य की संस्कृति, परंपराओं, प्राकृतिक विरासत और स्थानीय जीवन को जानने-समझने का अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के होटल एवं रिसॉर्ट अपनी आकर्षक लोकेशन के कारण पर्यटकों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। बोर्ड का प्रयास है कि इन प्रॉपर्टीज का विकास इस तरह किया जाए कि वे पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं देने के साथ छत्तीसगढ़ के पर्यटन अनुभव को भी और समृद्ध बनाएं।

मुख्यमंत्री साय की संवेदनशील पहल से पूजा के डॉक्टर बनने के सपने को मिला संबल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के सामने आर्थिक अभाव और विपरीत परिस्थितियां भी बाधा नहीं बन सकतीं। सरगुजा जिले की आदिवासी बेटी कुमारी पूजा सिंह ने अपने संघर्ष और लगन से इसे साबित कर दिखाया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली और 66 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद पूजा ने नीट-2026 में सफलता हासिल कर मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में प्रवेश प्राप्त किया है। उनके डॉक्टर बनने के सपने को आर्थिक परिस्थितियों के कारण रुकने न देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला खनिज संस्थान न्यास मद से शिक्षण शुल्क के लिए 2 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से अब पूजा के लिए मेडिकल शिक्षा की राह आसान हुई है। राज्य शासन की मंशा है कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभावान

विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा आर्थिक अभाव के कारण बाधित न हो। पूजा की पारिवारिक परिस्थितियों और उनकी उपलब्धि को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा उन्हें आवश्यक आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने पूजा की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद पूजा ने जिस लगन, आत्मविश्वास और मेहनत के साथ नीट में सफलता हासिल की है, वह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। कुमारी पूजा सिंह विकासखंड सीतापुर के ग्राम राधापुर की निवासी हैं। उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। पूजा के पिता चक्रधर सिंह दूसरी शादी के बाद अपनी दूसरी पत्नी के साथ निवास करते हैं। ऐसे में परिवार के भरण-पोषण और बेटी की पढ़ाई की जिम्मेदारी उनकी मां के कंधों पर रही। पूजा की मां के पास स्वयं की कृषि भूमि नहीं है।

परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए वे गांव में दूसरे लोगों के खेतों में मजदूरी करती हैं। सीमित आय और संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की पढ़ाई जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मां की मेहनत और बेटी के दृढ़ संकल्प ने मिलकर पूजा के सपने को आगे बढ़ाया।

विकास की नई रफ्तार से बदल रहा छत्तीसगढ़, अधोसंरचना को मिल रही मजबूती: अरुण साव

शहरीकरण की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप तैयार हो रहा नया छत्तीसगढ़, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विकास का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। राज्य की अधोसंरचना को नई मजबूती दी जा रही है। सड़क, परिवहन और कनेक्टिविटी से लेकर आवास, जलापूर्ति और सार्वजनिक परिवहन तक के लिए आने वाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकास की आधारभूत संरचना तैयार की जा रही है। मजबूत अधोसंरचना आर्थिक विकास की बुनियाद है और राज्य सरकार इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। अधोसंरचना विकास पर अब तक 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज 'विकसित छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' में ये बातें कहीं।

उप मुख्यमंत्री साव ने नवा रायपुर में इकोनॉमिक टाइम्स ग्रुप द्वारा आयोजित 'छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि

छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास की इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए राज्य में अधोसंरचना के विस्तार पर लगातार काम किए जा रहे हैं। बेहतर सड़कें, सुगम परिवहन और मजबूत कनेक्टिविटी न केवल लोगों की आवाजाही को आसान बनाती हैं, बल्कि उद्योग, व्यापार और निवेश के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार उन राज्यों और क्षेत्रों की विकास संबंधी जरूरतों पर भी विशेष ध्यान दे रही है, जो लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा में अपेक्षाकृत पीछे रहे हैं। श्री साव ने विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां कनेक्टिविटी, अधोसंरचना और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे देश के अलग-अलग हिस्सों के बीच विकास का संतुलन मजबूत हो रहा है और दूरस्थ क्षेत्रों को भी व्यापक आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के अवसर बढ़ रहे हैं।

श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास का लाभ अधिक से अधिक क्षेत्रों और लोगों तक पहुंचाने के लिए अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और शहरों की बढ़ती आबादी के साथ लोगों की जरूरतें भी बदल रही हैं। ऐसे में केवल वर्तमान जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर शहरी सुविधाओं और अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति के लिए मजबूत अधोसंरचना जरूरी है। सड़कों और परिवहन सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी बेहतर होती है और इसका सीधा लाभ आर्थिक गतिविधियों को मिलता है। छत्तीसगढ़ में इसी दृष्टि से अधोसंरचना विकास को विकास की गति से जोड़ते हुए काम किया जा रहा है।

कॉन्क्लेव में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ शहरों की जरूरतों का स्वरूप भी बदल रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक शहरी अधोसंरचना तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0, बेहतर जलापूर्ति और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार प्रभावी ढंग से काम कर रही है। कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के विकास, अधोसंरचना, शहरीकरण और निवेश से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगी नई फिल्म, अंबरीश वर्मा संग बनेगी जोड़ी

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर से सारा अर्जुन ने रातों-रात सफलता का स्वाद चखा है। उनकी लोकप्रियता में इस कदर बढ़ोतरी हुई है कि फैंस उनकी अगली परियोजना पर गहराई से नजरें गड़ाए बैठे हैं। ताजा अपडेट है कि सारा को कथित तौर पर उनकी अगली फिल्म मिल चुकी है, जिसका निर्देशन टाइगर 3 वाले मनीष शर्मा करेंगे। यह भी बताया जा रहा है कि अभिनेत्री ने अपनी मौजूदा टैलेंट एजेंसी से अलग होकर वाईआरएफ टैलेंट को जॉइन किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सारा का वाईआरएफ टैलेंट में शामिल होना ऐसे समय में हुआ है, जब वह निर्देशक मनीष की अगली फिल्म में अभिनेता अंबरीश वर्मा के साथ नजर आएंगी।

यशराज फिल्म्स की टैलेंट मैनेजमेंट शाखा, वाईआरएफ टैलेंट पहले ही शरवरी, अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए सितारों को मैनेज कर रही है। अब इसका हिस्सा सारा भी होंगी। अंबरीश की बात करें, तो उन्हें अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज सपने वर्सेस एवरीवन से लोकप्रियता मिल चुकी है।

अगर यह रिपोर्ट सच साबित हुई, तो पहली बार सारा और अंबरीश की जोड़ी पर्दे पर देखने को मिलेगी। दोनों ही कलाकार बिल्कुल अलग-अलग परियोजनाओं में काम कर चुके हैं।

फिलहाल, आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर में सारा ने यालीना जमाली का किरदार निभाकर दर्शकों को खूब प्रभावित किया है। रणवीर से उम्र में 20 साल छोटी होने के बावजूद दोनों की जोड़ी लोगों को पसंद आई।

सारा तमिल और मलयालम सिनेमा का हिस्सा भी रही हैं।

कृति खरबंदा ने पूरे किए बॉलीवुड में 10 साल, राज़ रीबूट से शुरू हुआ था हिंदी सिनेमा का सफर

दस साल पहले कृति खरबंदा ने राज़ रीबूट के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। इस फिल्म से शुरू हुआ उनका सफर पिछले एक दशक में अलग-अलग फिल्मों, किरदारों और जॉनर से होकर गुजरा है। हिंदी फिल्म डेब्यू के 10 साल पूरे होने के मौके पर कृति का अब तक का सफर एक ऐसी अभिनेत्री की कहानी है, जिसने समय के साथ अलग-अलग तरह के किरदारों और कहानियों को अपनाया और अपने काम के नए पहलुओं को सामने रखा।

राज़ रीबूट के बाद कृति ने शादी में ज़रूर आना, वीरे दी वेडिंग, हाउसफुल 4, पागलपंती और तैश जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर जैसे अलग-अलग जॉनर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी वह रोमांटिक कहानी का हिस्सा बनीं, तो कभी बड़े स्टारकास्ट वाली कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, तैश जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग तरह की कहानी का हिस्सा बनने का मौका दिया। उनके करियर में हर फिल्म एक अलग अनुभव लेकर आई और उनके काम में नए रंग जोड़ती गई। कृति के पिछले 10 सालों की एक खास बात यह रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म तक सीमित नहीं रखा। कमर्शियल एंटरटेनर्स से लेकर गंभीर और भावनात्मक कहानियों तक, उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्हें अलग-अलग कलाकारों और फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का मौका भी मिला, जिससे उनके अभिनय के सफर में लगातार नए अनुभव जुड़ते गए।

बदलते समय के साथ कृति ने ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा। राणा नायडू 2 के साथ उन्होंने एक लोकप्रिय स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनकर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा। थिएटर में फिल्मों के बाद ओटीटी पर काम करने का अनुभव उनके लिए एक अलग माध्यम में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका लेकर आया।

राज़ रीबूट के 10 साल बाद कृति खरबंदा का सफर सिर्फ एक फिल्म से दूसरी फिल्म तक पहुंचने की कहानी नहीं है, बल्कि अलग-अलग किरदारों और अनुभवों के साथ आगे बढ़ने की कहानी भी है। सुपरनैचुरल थ्रिलर से शुरुआत करने वाली कृति ने इन वर्षों में रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और अब ओटीटी तक का सफर तय किया है। राज़ रीबूट उनके हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत का अहम पड़ाव बना हुआ है और एक दशक बाद उनका सफर लगातार नए किरदारों और नई कहानियों की ओर बढ़ रहा है।

ईशा मालवीय की बॉलीवुड में एंट्री, गुरमीत चौधरी संग करेंगी रोमांस

ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी स्टारर फिल्म 'तुम मेरे हो' के नए पोस्टर सामने आए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान हो गया है। आइए जानते हैं कि ये मूवी कब आने वाली है।

'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी।

गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

कब रिलीज होगी फिल्म 'तुम मेरे हो'?

इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो' की दुनिया में डुबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो होता है, वो कहानी है।' बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है। तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एडवेंचर और एक्शन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं।

ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी 'लाफ्टर शेफ्स 3' में साथ काम कर चुके हैं।

ईशा इससे पहले पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' में नजर आ चुकीं हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'उडारियां' से की थी।

महाकाव्य श्री रामायण कथा ट्रेलर

सीता की प्रतीक्षा बनी रावण का अंत, नए युग के आरंभ के लिए प्रभु राम ने लंकापति के खिलाफ छेड़ी जंग

कच्चा बादाम वायरल गर्ल अंजली अरोड़ा इन दिनों सुर्खियों में हैं। वह पौराणिक फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा में माता सीता का किरदार निभा रही हैं। मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया है। यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर महाकाव्य श्री रामायण कथा का ट्रेलर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, अधरम के आगू, धरम के नांव — श्री राम महाकाव्य श्री रामायण कथा का ट्रेलर आउट।

इस फिल्म में देव शर्मा भगवान राम के रूप में, अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में और रजनीश दुग्गल रावण के रूप में नजर आएंगे. साथ ही, शील वर्मा लक्ष्मण और निर्भय वाधवा हनुमान की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म भगवान राम की यात्रा को बड़े पर्दे पर पेश करती है, जिसके केंद्र में प्रेम, भक्ति, मर्यादा और धर्म जैसे भावुक पहलू हैं।

ट्रेलर की बात करें तो ट्रेलर की शुरुआत सीता के अपरहण से होता है। इसके बाद अशोक वाटिका का सीन आता है, जहां रावण सीता को कहता है कि उनका वनवासी राम उन्हें बचाने नहीं आएगा। जिस पर सीता दृढ़ता से कहती है कि प्रभु राम अवश्य आएंगे और उस दिन तुम्हारा और तुम्हारे इस सोने की लंका का विनाश होगा। जिस पर रावण क्रोश में कहता है, असंभव है रावण का विनाश।

इसके बाद राम और हनुमान के मिलन, हनुमान का लंका पहुंचना और माता सीता से मिलना, राम सेतु निर्माण, राम का अपनी सेना के साथ लंका की ओर प्रस्थान, रण भूमि समेत कई सीन दिखाए जाते हैं। ट्रेलर के आखिरी में राम और सीता के मिलन की झलक दिखाई जाती है।

महाकाव्य श्री रामायण कथा का निर्देशन अभिषेक सिंह ने किया है, इसे प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है, हनी कुलदीप अग्रवाल और मोनिका सेन इसके को-प्रोड्यूसर हैं। इसे एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के अजय कनौजिया ने पेश किया है। यह फिल्म 25 सितंबर को पूरे भारत में हिंदी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा? इन संकेतों से लगाएं पता

नमक का सेवन शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। हालांकि, कई लोग स्वास्थ्य पर इसके असर के कारण इसका सेवन कम कर देते हैं या फिर छोड़ देते हैं। ऐसा करने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पाता और इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि शरीर को कम नमक मिल रहा है।

पसीना कम आना

अगर आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है तो पसीना कम आने लगता है। नमक का सेवन शरीर में सोडियम का स्तर बनाए रखता है, जो पसीना आने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है।

अगर शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो पसीना बनना बंद हो जाता है। इसके अलावा नमक की कमी से शरीर में पानी की कमी भी हो जाती है, जिसके कारण पसीना कम आता है।

थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पा रहा है।

नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड शरीर की मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए जरूरी होता है।

अगर इनकी कमी हो जाती है तो मांसपेशियों को ठीक से काम करने में परेशानी होने लगती है, जिससे कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं होती हैं।

सिरदर्द होना

अगर आपके सिर में लगातार दर्द हो रहा है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है। जब शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो रक्तचाप के स्तर में बदलाव होने लगता है। रक्तचाप में बदलाव से सिरदर्द होने की संभावना बढ़ जाती है।

साथ ही इससे सिरदर्द के साथ-साथ चक्कर आना और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है।

मांसपेशियों में खिंचाव

अगर आपको अक्सर मांसपेशियों में खिंचाव का सामना करना पड़ रहा है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पा रहा है।

नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड शरीर की मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए जरूरी होता है। अगर इनकी कमी हो जाती है तो मांसपेशियों को ठीक से काम करने में परेशानी होने लगती है।

चक्कर आना

चक्कर आना भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है। नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड रक्त वाहिकाओं को खुला रखता है।

इससे शरीर में रक्त संचार सही रहता है, लेकिन जब सोडियम और क्लोराइड की कमी हो जाती है तो रक्त वाहिकाएं खुली नहीं रह पातीं, जिससे शरीर में रक्त संचार सही से नहीं हो पाता और चक्कर आने लगते हैं।

लव रंजन की फिल्म पहला प्यार दूसरी बार का ऐलान, दांव पर लगे 6 नए चेहरे

प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्में देने के बाद, निर्देशन लव रंजन एक नई रोम-कॉम लेकर आ रहे हैं, जिसका आधिकारिक ऐलान हो गया है। फिल्म का नाम पहला प्यार दूसरी बार रखा गया है, जो दोस्ती और कॉमेडी पर आधारित होगी। इसके जरिए निर्देशक ने एक साथ 6 नए चेहरों को बॉलीवुड में उतारा है। फिल्म का पहला लुक पोस्टर भी सोशल मीडिया पर जारी हो गया है, जिससे लोग काफी उत्साहित हैं।

लव फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर पहला प्यार दूसरी बार का आधिकारिक पोस्टर जारी किया है। इसके जरिए अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं।

कैप्शन में लिखा गया है, पुराने क्रश, पापी दोस्त और पहला प्यार। लाल झंडे ही लाल झंडे।

पोस्टर में सभी 6 कलाकारों को मस्ती भरे पोज के साथ दर्शाया गया है, जो फिल्म में दोस्ती, प्यार और रोमांच देने का वादा करते हैं। निर्माताओं ने फिल्म के ऐलान के साथ इसकी रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।

पहला प्यार दूसरी बार दशहरा के ठीक 2 दिन बाद, यानी 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। दर्शकों को एक नई यंग स्टारकास्ट वाली फ्रेंडशिप-कॉमेडी देखने का मौका मिलेगा।

फिल्म का निर्देशन अनुज सैनी ने किया है, जो खुद इस परियोजना के जरिए डेब्यू कर रहे हैं। वहीं, लव और अंकुर गर्ग मिलकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं।

खास-खबर

ग्रामीण नल-जल योजनाओं के संचालन के लिए जल जीवन मिशन नियमावली पर मंथन

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन व नल जल योजनाओं के अंतर्गत निर्मित पेयजल परिसंपत्तियों के सुचारू संचालन, नियमित संधारण और दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु नीति निर्धारण के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के परामर्श से छत्तीसगढ़ पंचायत नियम के तहत व्यापक विचार विमर्श हुआ। प्रस्तावित नियमों पर सर्व संबंधितों तथा प्रभावित व्यक्तियों से समयावधि के भीतर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में ग्राम पंचायतों को मिले पूर्ण अधिकार एवं जिम्मेदारियां ग्राम पंचायतों में निर्मित एवं हस्तांतरित सभी ग्रामीण नल-जल योजनाओं के संचालन, संधारण, रखरखाव, विस्तार एवं नियंत्रण का अधिकार पूर्ण रूप से ग्राम पंचायतों के पास रहेगा।

संकल्प अभियान में प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का संदेश

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अम्बिकापुर में सरगुजा वनमण्डल द्वारा बाँसबाड़ी वन कक्ष क्रमांक आर.एफ 2580 में प्लास्टिक मुक्त जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह, पार्षदगण सहित जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों और वन विभाग की टीम ने श्रमदान करते हुए वन क्षेत्र में बिखरे प्लास्टिक एवं अन्य कचरे की सफाई की। इस दौरान लोगों को प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए प्लास्टिक का उपयोग कम करने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

तीन रक्तदान शिविरों में 68 यूनिट रक्त संग्रहित

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर विशेष रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। सेवा और जनभागीदारी की भावना से आयोजित इन शिविरों में समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। शिविरों के माध्यम से कुल 68 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर में आयोजित रक्तदान शिविर में 43 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में 9 यूनिट तथा मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर द्वारा मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित शिविर में 16 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

सेवा संकल्प अभियान में बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति से गूंजा विकसित भारत का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, जनजागरूकता और राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अभियान के तहत विद्यार्थियों ने कला, अभिनय और अभिव्यक्ति के माध्यम से विकसित भारत की अपनी कल्पना को प्रस्तुत किया। जिले के गौरेला स्थित रानी दुर्गावती चौराहा के पास आईटीआई गौरेला एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक और रंगोली के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं 'पच्चीस करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' थीम के तहत जिले के शासकीय एवं निजी सहित सभी 905 विद्यालयों में ड्रॉइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

रानी दुर्गावती चौराहा में आयोजित नुक्कड़ नाटक में बालिकाओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा भाव, नमो गाथा तथा देश को समृद्ध, सशक्त और मजबूत राष्ट्र बनाने में युवा शक्ति की भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि देश के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है और शिक्षा, कौशल, मेहनत तथा नवाचार के माध्यम से युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

नुक्कड़ नाटक में युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने तथा अपनी क्षमता और कौशल के अनुरूप आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश भी दिया गया।

जनजागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, पानी एवं बिजली की बचत करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का संदेश दिया।

कविता के विविध रंगों से सजा मुक्ताकाशी मंच

सेवा संकल्प अभियान में देश-प्रदेश के रचनाकारों ने बांधा समां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रायपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर में भव्य काव्य संध्या का आयोजन किया गया। साहित्य एवं संस्कृति प्रेमियों से जुड़े इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ देश के अलग-अलग शहरों से आए कवि-कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को कविता के विविध रंगों से रूबरू कराया।

काव्य संध्या में गीत, हास्य, वीर और श्रृंगार रस की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को साहित्यिक और भावनात्मक रंगों से भर दिया। रचनाकारों ने अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन, समाज, संवेदना, प्रेम, हास्य, शौर्य और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन बिलाईगढ़ के हास्य कवि बंशीधर मिश्रा ने किया। सहज संवाद, हास्य-विनोद और प्रभावी मंच संचालन के माध्यम से उन्होंने पूरे आयोजन को जीवंत बनाए रखा।

रायपुर के गीतकार रमेश विश्वहार ने अपने मधुर गीतों की प्रस्तुति दी। उनकी रचनाओं में जीवन और मानवीय भावनाओं के विभिन्न पक्षों की अभिव्यक्ति देखने को मिली। वहीं रायपुर की हास्य कवयित्री शशि दुबे ने हास्य कविताओं के माध्यम से दैनिक जीवन और सामाजिक परिस्थितियों से जुड़े प्रसंगों को रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया। मुंगेली के देवेंद्र सिंह परिहार ने वीर रस की ओजपूर्ण कविताओं का पाठ किया। उनकी रचनाओं में साहस, शौर्य, राष्ट्रप्रेम और उत्साह के भाव प्रमुख रहे। इसी क्रम में दुर्ग के नंदकट्टी से आए ईशान शर्मा विद्युत ने भी वीर रस की कविताओं के माध्यम से श्रोताओं में ओज और उत्साह का संचार किया।

लखनऊ की कवयित्री सोनी मिश्रा ने श्रृंगार रस की कविताएं प्रस्तुत कीं। उनकी रचनाओं में प्रेम, सौंदर्य, संवेदना और मानवीय भावनाओं की अभिव्यक्ति रही। मध्यप्रदेश के जबलपुर से आए इंजीनियर श्री विनोद नयन ने गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में गीत विधा के विविध रंग जोड़े।

रायपुर की शकुंतला तरार ने भी गीतों की प्रस्तुति दी। वहीं बेमेतरा के रामानंद त्रिपाठी और भिलाई के आलोक शर्मा ने हास्य कविताओं के माध्यम से श्रोताओं का मनोरंजन किया। दोनों रचनाकारों ने आम जीवन, सामाजिक परिस्थितियों और रोजमर्रा के अनुभवों को हास्य के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

सचिव संस्कृति एवं पर्यटन डॉ. भारती दासन ने अपने उद्बोधन में कहा कि काव्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की भावनाओं, अनुभवों, विचारों और संवेदनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम भी है। कविता के माध्यम से सामाजिक सरोकार, मानवीय संबंध, देशप्रेम, जीवन मूल्य और समसामयिक परिस्थितियां प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचती हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस काव्य संध्या में भी साहित्य के माध्यम से सामाजिक चेतना और सकारात्मक सोच का संदेश देखने को मिला।

मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित इस काव्य संध्या में गीतों की मधुरता, हास्य की सहजता, श्रृंगार की भावनात्मक अभिव्यक्ति और वीर रस की ओजपूर्ण प्रस्तुतियों ने साहित्यप्रेमियों को समृद्ध काव्य अनुभव प्रदान किया। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह आयोजन साहित्य, कला और सांस्कृतिक चेतना को आमजन से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया।

आईपीआर एवं डेटा विश्लेषण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय वाई.टी. पी.जी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के जूलॉजी विभाग द्वारा आईक्यूएसी एवं आईआईसी के बैनर तले तथा रूसा के प्रायोजन में आईपीआर एवं डेटा विश्लेषण विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफसाइंस एंड टेक्नोलॉजी , रायपुर के साइंटिस्ट - 'डी' डॉ. अमित दुबे मुख्य अतिथि एवं प्रथम दिवस के रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिषेक सुराना ने की। वहीं स्वायत्त प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. जगजीत कौर सलूजा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, राष्ट्रीय गीत एवं राज्य गीत से हुआ।कार्यशाला की संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या के. मिंज ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यशाला के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान शोध परिदृश्य में वैज्ञानिक आंकड़ों का उचित विश्लेषण तथा शोध से प्राप्त नवीन विचारों एवं उपलब्धियों का बौद्धिक संपदा अधिकारों के माध्यम से संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्घाटन के पश्चात प्रथम दिवस के रिसोर्स पर्सन डॉ. अमित दुबे ने **IPR** विषय पर विस्तृत एवं उपयोगी व्याख्यान दिया। प्रथम सत्र में उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकार की अवधारणा, आवश्यकता तथा इसके विभिन्न घटकों के बारे में जानकारी दी। भोजनावकाश के पश्चात आयोजित द्वितीय सत्र में उन्होंने विशेष रूप से पेटेंट की अवधारणा, शोध एवं नवाचार में उसकी उपयोगिता तथा शोध परिणामों के संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए **IPR** एवं पेटेंट से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे।

छत्तीसगढ़ पशुधन विकास एवं प्रजनन नीति 2026 के निर्धारण के लिए हितधारक कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पशुधन विकास एवं प्रजनन नीति 2026 के निर्धारण और रूपरेखा तैयार करने के संबंध में राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में एक महत्वपूर्ण हितधारक कार्यशाला संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान परिस्थितियों और डेयरी क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य की मौजूदा प्रजनन नीति के प्रावधानों की समीक्षा करना तथा विभिन्न विशेषज्ञों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त करना था।

कार्यशाला में पशु प्रजनन क्षेत्र के देश-विदेश के विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, पशुचिकित्सा विभाग के अधिकारियों, दुग्ध क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पशुचिकित्सा सेवाएं संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (छक्ठ)वरिष्ठ महाप्रबंधक डॉ. आर.ओ. गुप्ता, ग्रुप हेड (पशु प्रजनन) डॉ. निलेश नाइक और प्रबंधक डॉ. स्वप्निल गज्जर, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ प्रबंध संचालक डॉ. एम. जयकृष्णा, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा (दुर्ग) डॉ. कौसर परवीन (राज्य की स्थानीय नस्लों पर), डॉ. भूपेन्द्र देवांदन (केंद्रीय वीर्य संग्रहालय पर) और डॉ. विवेक अवस्थी (प्रस्तावित नीति के ड्राफ्ट पर), एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि और अधिकारियों ने शिरकत की। कार्यशाला के दौरान उन्नत प्रजनन तकनीक और पशु प्रजनन नीति के निर्धारण पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

जशपुर के 2600 विद्यालयों में गूंजा 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' का संदेश

चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और विकसित भारत की परिकल्पना को किया अभिव्यक्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' की परिकल्पना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जशपुर जिले के लगभग 2600 विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों में विद्यार्थी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं विचारों को अभिव्यक्त कर रहे हैं। प्रतियोगिताएं 19 सितंबर 2026 तक जारी रहेंगी।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ विद्यालय, स्वच्छ गांव-शहर, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, हरित पर्यावरण और जल संरक्षण जैसे विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है। रंगों और कल्पनाशीलता के माध्यम से विद्यार्थी स्वच्छ एवं सुंदर भारत की अपनी परिकल्पना को प्रभावी ढंग से सामने रख रहे हैं।

वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थी स्वच्छता के महत्व तथा विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्वच्छता, कचरे का उचित निपटान, स्वच्छ पेयजल, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने जैसे विषयों पर विद्यार्थी अपने विचार साझा कर रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया जा रहा है कि स्वच्छता किसी एक अभियान तक सीमित नहीं, बल्कि दैनिक जीवन की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी है।

विद्यालयों में आयोजित इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में स्वच्छता संस्कार, पर्यावरणीय चेतना और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। विद्यार्थियों की सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता और जागरूकता का संदेश परिवार एवं समुदाय तक पहुंचाने की दिशा में भी सकारात्मक वातावरण बन रहा है। जिले के विभिन्न विद्यालयों में प्रतियोगिताओं को लेकर विद्यार्थियों और शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। शिक्षक विद्यार्थियों को विषय की समझ विकसित करने, रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में सहयोग कर रहे हैं।

होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड पायलट प्रोजेक्ट के रूप में होगा लागू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा अध्यक्ष रेणु जी. पिल्ले के संरक्षण, सचिव पुष्पा साहू के निर्देशन तथा भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के परख, एनसीईआरटी, नई दिल्ली की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. इन्द्राणी भादुड़ी के संयोजन में 17 से 19 सितंबर 2026 तक छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के सभाकक्ष में राज्य स्तरीय होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिदिन 11-11 जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों तथा प्रत्येक जिले से पायलट प्रोजेक्ट के लिए चयनित 03-03 हायर सेकण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला के माध्यम से चयनित विद्यालयों में होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किए जाने की दिशा में आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपसचिव डॉ. बी. रघु ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। कोई भी बच्चा ज्ञान से शून्य नहीं होता, बल्कि वह जीवनपर्यंत सीखता रहता है। बच्चों के ज्ञानात्मक, भावनात्मक एवं मनोप्रेरक क्षेत्रों के विकास तथा उनके समग्र मूल्यांकन में होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह व्यवस्था शिक्षकों को सतत् सीखने तथा बच्चों को निरंतर सीखने के लिए प्रेरित करेगी।

डॉ. प्रदीप कुमार साहू, सहायक प्राध्यापक एवं परख कोऑर्डिनेटर ने होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड छात्रों के मूल्यांकन की एक नई एवं व्यापक पद्धति है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत परख, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा डिजाइन किया गया है। एचपीसी विद्यार्थियों के मूल्यांकन की 360 डिग्री रिपोर्ट के रूप में कार्य करता है। इसमें पारंपरिक अकादमिक उपलब्धियों के साथ-साथ विद्यार्थी के संज्ञानात्मक, भावात्मक, सामाजिक-भावनात्मक एवं मनोप्रेरक क्षेत्रों में होने वाले समग्र विकास को भी शामिल किया गया है।

प्रशिक्षण के दौरान रिसोर्स पर्सन श्री हारेन्द्र भुवाल ने होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड के पार्ट-ए के खण्ड-3 'समय प्रबंधन' पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों की समय संबंधी आदतों को समझने के लिए विभिन्न गतिविधियों एवं उदाहरणों के माध्यम से बताया कि विद्यार्थी किन कार्यों में अधिक समय व्यतीत करना चाहते हैं तथा समय प्रबंधन के माध्यम से उनके व्यवहार एवं सीखने की आदतों का किस प्रकार आकलन किया जा सकता है।

रिसोर्स पर्सन डॉ. माधुरी बोरेकर ने समस्या समाधान आधारित जांच के लिए प्रोजेक्ट एवं लघु शोध की प्रक्रिया को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने शिक्षक द्वारा विद्यार्थी के, विद्यार्थी द्वारा स्वयं के तथा सहपाठियों द्वारा विकसित किए जाने वाले कौशलों के मूल्यांकन की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। इसी क्रम में श्रीमती अंशु गुलाटी ने विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक कार्य को प्रभावी ढंग से किए जाने के विभिन्न तरीकों को उदाहरण सहित प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में विकसित होने वाली जागरूकता, संवेदनशीलता एवं सृजनात्मकता का आकलन किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान रिसोर्स पर्सन राजकुमार गेन्डे ने कक्षा, समूह एवं व्यक्तिगत कार्यों के दौरान विद्यार्थियों के बीच होने वाले परस्पर संवाद तथा शिक्षक एवं विद्यार्थी के मध्य संवाद के सूक्ष्म अवलोकन के माध्यम से व्यक्तित्व विकास से संबंधित जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई। वहीं श्रीमती सीमा वर्मा ने होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड के प्रथम खण्ड के अंतर्गत विद्यार्थी की सामान्य जानकारी एवं स्वयं के परिचय को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया तथा स्व-मूल्यांकन के महत्व पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

राज्य स्तरीय इस प्रशिक्षण सह कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ-साथ उनके ज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक-भावनात्मक एवं मनोप्रेरक विकास का समग्र एवं सतत् मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड के पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से विद्यार्थियों की विविध क्षमताओं, कौशलों, व्यवहार एवं सीखने की प्रक्रिया का व्यापक आकलन करते हुए उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

आत्मनिर्भरता का आधार बनी महतारी वंदन योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक सिद्ध हो रही है। योजना के तहत प्रतिमाह प्राप्त होने वाली राशि का महिलाएं न केवल अपनी दैनिक आवश्यकताओं में उपयोग कर रही हैं, बल्कि अपनी पारंपरिक आजीविका को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। बांस से टोकरी, सूपा एवं अन्य उपयोगी सामग्री के तौर पर किया जा रहा है। योजना से नियमित रूप से प्राप्त आर्थिक सहायता ने महिलाओं को इस पारंपरिक व्यवसाय को निरंतर जारी रखने के लिए आवश्यक आर्थिक संबल प्रदान किया है। महिलाओं द्वारा अपने पारंपरिक कौशल से तैयार किए गए टोकरी, सूपा एवं अन्य बांस उत्पादों को स्थानीय स्तर पर विक्रय किया जाता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

जगदलपुर में चाकूबाजी में शामिल 4 आरोपी पकड़े गए

जगदलपुर। जगदलपुर में फ्रेजरपुर (परपा) थाना क्षेत्र में मई में हुई चाकूबाजी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं घटना में शामिल तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से घटना में इस्तेमाल लोहे की राड और चाकू भी बरामद किया है। दरअसल, 25 मई की रात भावेश्वर साहू को शिव मंदिर के पास बुलाकर साहिल ध्रुव और उसके साथियों ने विवाद के बाद मारपीट की थी। आरोप है कि साहिल ने लोहे की राड से भावेश्वर के सिर के पीछे वार किया, जबकि उसके साथी ने चाकू से चोट पहुंचाई। शिकायत के बाद फ्रेजरपुर (परपा) थाना पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

रायगढ़ जिला जेल में दो संदिग्ध मोबाइल बरामद

रायगढ़। रायगढ़ जिला जेल परिसर के भीतर बृहस्पतिवार की शाम और रात दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। एक मोबाइल बाहर से जेल की दीवार के पीछे से फेंककर अंदर पहुंचाया गया था, जबकि दूसरा मोबाइल जेल परिसर स्थित 10 बिस्तर वाले अस्पताल से बरामद हुआ। इस के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल, बृहस्पतिवार की शाम सुरक्षा में तैनात जेल प्रहरियों की नजर एक लावारिस मोबाइल पर पड़ी। जांच करने पर पता चला कि मोबाइल को जेल के पीछे की ओर से बाहर से भीतर फेंका गया था। इसकी सूचना तत्काल जेल अधीक्षक को दी गई, जिसके बाद मोबाइल को जब्त कर लिया गया। इसके बाद रात में जेल के 10 बिस्तर वाले अस्पताल से भी एक मोबाइल बरामद किया गया। दोनों मोबाइल बरामद होने के बाद जेल प्रबंधन ने गहन जांच शुरू कर दी है।

रामानुजनगर रेंज में अवैध परिवहन पर कार्रवाई

सूरजपुर। वनमण्डलाधिकारी विपुल अग्रवाल के निर्देशन में जिले में वनसंपदा के अवैध कटाई एवं परिवहन पर रोक लगाने कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में वनपरिक्षेत्राधिकारी रामानुजनगर के निर्देशानुसार वनपरिक्षेत्र रामानुजनगर के उपपरिक्षेत्र परशुरामपुर अंतर्गत परिसर-परशुरामपुर के वनभूमि कक्ष क्रमांक 1824 अंतर्गत वनकर्मीयों द्वारा वनभ्रमण के दौरान एक काले रंग के बोलेरो वाहन को पिकनिक स्पॉट स्थल पर पाकिंग किया जाना पाया गया, जिसके खिड़कियों पर काले रंग का फिल्म चढ़ा हुआ था। जॉच के दौरान उपरोक्त वाहन में मात्र वाहन के चालक के बैठने हेतु सीट होना पाया गया, शेष सीटें वाहन में नहीं थी तथा उपरोक्त वाहन में अवैध रूप से लोड किये गये खम्हार प्रजाति का चिरान काष्ठ 2 नग होना पाया गया, वाहन चालक द्वारा उक्त काष्ठ के परिवहन से संबंधित किसी प्रकार का दस्तावेज नहीं होना बताये जाने पर उक्त काष्ठ को जप्त करते हुये भारतीय वन अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही किया जाकर वन अपराध दर्ज वाहन जप्त किया गया हैं।

पत्नी से अफेयर के शक में मकान मालिक को मार-डाला : किराएदार ने विवाद के बाद गला घोंटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में पत्नी से अफेयर के शक में किराएदार व्यापारी ने मकान मालिक की गला दबाकर हत्या कर दी। उसने मकान मालिक की दुकान किराए पर लेकर ऑटो पार्ट्स की दुकान खोली थी। इसी दौरान पत्नी से अवैध संबंध के शक को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया। मामला राखी थाना क्षेत्र के ग्राम गनोद का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान वेद राम साहू (45) के रूप में हुई है। जबकि आरोपी का नाम पुरुषोत्तम धीवर (25) है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है। आज इसका खुलासा करेगी।

पुलिस के मुताबिक, पुरुषोत्तम धीवर मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के धमनी गांव का रहने वाला है। वह गनोद में वेद राम साहू के मकान में किराए पर ऑटो पार्ट्स की दुकान चलाता था। जहां पत्नी का भी आना-जाना लगा हुआ था।

इसी दौरान पुरुषोत्तम को शक हुआ कि, वेद का उसकी पत्नी के साथ अवैध

संबंध हैं। इस बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद और गाली-गलौज भी हुई थी।

बताया जा रहा है कि, घटना के दौरान इसी बात को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी पुरुषोत्तम ने वेद राम का गला दबा दिया। जिससे वेद राम की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

राखी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की। शुरुआती जांच में हत्या की वजह पत्नी से अवैध संबंध होने का शक सामने आया है।

आरोपी किराएदार को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी पुरुषोत्तम धीवर को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े बाकी पहलुओं की भी जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि विवाद के दौरान मौके पर कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

बिलासपुर में ब्रांडेड के नाम पर नकली चाय का कारोबार

खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग ने माधव-ट्रेडर्स में मारा छापा, पैकेट्स के लिए सैंपल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के चांटीडीह स्थित माधव ट्रेडर्स में ब्रांडेड के नाम पर नकली चाय का कारोबार करने का मामला सामने आया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने कंपनी के प्रतिनिधि के साथ दुकान में छापेमारी की। जांच के दौरान ब्लूक बॉन्ड ताजा चाय के नमूने जब्त कर उन्हें जांच के लिए भेजा गया है।

इस कार्रवाई के दौरान फर्म संचालक मौके पर इन चाय पैकेटों की खरीदी का बिल पेश नहीं कर सका। विभाग ने बिल और अन्य दस्तावेजों के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी है। विभाग को नकली सामान बेचे जाने की सूचना मिली थी।

इसके बाद विभाग की टीम ने हिंदुस्तान यूनिलीवर कंपनी के प्रतिनिधि के साथ दुकान की जांच की। जांच के दौरान कंपनी प्रतिनिधि की तरफ से संबंधित ब्रांड के 250 ग्राम के 23 पैकेट्स पर आपत्ति जताई गई। विभाग ने इन्हें जब्त कर नमूना लिया और परीक्षण के लिए भेज दिया।

फर्म संचालक के पास नहीं मिला बिल और दस्तावेज

जांच के दौरान फर्म संचालक खरीदी का बिल पेश नहीं कर सका। विभाग अब संचालक से खरीदी से संबंधित दस्तावेज हासिल कर यह पता लगा रहा है कि चाय का स्टॉक कहां से खरीदा गया था। साथ ही जब्त नमूने की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

इस जांच कार्रवाई के दौरान अभिहित अधिकारी आरआर देवांगन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अविषा मरावी और प्रतीक तिवारी मौजूद रहे।

4 महीने पहले पकड़ाया था नकली मसाजा

बिलासपुर में नकली उत्पाद बेचने का कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा है। करीब 4 महीने पहले नकली मसाले के कारोबार की आशंका पर खाद्य एवं औषधि विभाग ने व्यापार विहार स्थित एक ट्रांसपोर्ट परिसर में छापेमारी की थी, जहां से एवरेस्ट मीट मसाला के संदिग्ध पैकेट जब्त किए थे।

विभाग की टीम ने व्यापार विहार स्थित श्री मारुति गुड्स गैरेज में जांच की थी, तब एवरेस्ट मसाला कंपनी के प्रतिनिधि भी साथ थे। जिसने यह पुष्टि की कि एवरेस्ट मीट मसाला नकली होने की आशंका है। जिसके आधार कार्रवाई करते हुए एवरेस्ट मीट मसाला के 9 बॉक्स संदिग्ध पाए गए थे। जांच के दौरान मौजूद एवरेस्ट मसाला कंपनी के प्रतिनिधि ने पैकिंग और उत्पाद को देखकर पहली नजर में इसे संदिग्ध बताया था।

शहर में रैकेट काम करने की आशंका

बिलासपुर में इस तरह से ब्रांडेड के नाम पर नकली उत्पादों के बड़े पैमाने पर बिक्री और इसे बेचने वालों का एक रैकेट काम करने की आशंका है। हालांकि, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अब तक इस तरह के मामलों में बड़ा खुलासा नहीं किया है। केवल संबंधित कंपनियों की शिकायतों पर छापेमारी की है।

हालांकि, विभाग के अफसरों का दावा है कि यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि नकली उत्पाद कहां से और किसके माध्यम से भेजा गया और किस बाजार में इसकी सप्लाई होनी थी। इसके लिए मुखबिरों के जरिए भी जानकारी जुटाई जा रही है।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, चालक गाड़ी छोड़कर भागा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। पत्थलगांव थाना क्षेत्र के फुलेता चौक में गुरुवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी युवती भी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक की पहचान फुलेता निवासी रोहित नट (27) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार रोहित गुरुवार रात तमता से बाइक से अपने घर फुलेता लौट रहा था। रात करीब 11 बजे फुलेता चौक के पास तेज रफ्तार ट्रक सीजी 15 सीडब्ल्यू 3047 ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रोहित ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाइक पर पीछे बैठी युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

बड़ी संख्या में लोग सड़क पर पहुंच गए और चक्काजाम कर दिया। ग्रामीण हादसे को लेकर कार्रवाई और सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। करीब आधे घंटे तक चक्काजाम रहने से दोनों ओर वाहनों की

आवाजाही प्रभावित हुई। सूचना मिलने पर पत्थलगांव तहसीलदार प्रमोद पटेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर स्थिति को शांत कराया। तहसीलदार ने मृतक के अंतिम संस्कार के लिए तत्काल 25 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की। साथ ही आगे आवश्यक सहायता और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

घटना के बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। बताया गया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन से कूदकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात में चौक पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने से परेशानी और बढ़ जाती है। लोगों ने चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने के साथ पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करने की मांग की है।

बीएसपी से स्क्रैप चोरी मामला : रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड के एमडी व डायरेक्टर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट से स्क्रैप चोरी के मामले में दुर्ग पुलिस ने रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड के मालिक विनोद गर्ग और निदेशक संदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी के बाद न्यायालय में पेश करने के बाद रिमांड पर भेज दिया है। इस मामलें में विवेचना के दौरान अब तक 19 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई थी विवेचना जारी है।

बता दें स्क्रैप चोरी के मामले की जांच के दौरान लोहे स्कैप अकलोरडीही खदान पारा स्थित ए.के. टेड्रर्स से भारी मात्रा में स्कैप बरामद हुआ था। उक्त

प्रकरण में विवेचना के दौरान गिरफ्तार किये गये आरोपियों से प्राप्त महत्वपूर्ण जानकारी तथा तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण से भिलाई इस्पात संयंत्र से चोरी किए गए स्क्रैप को रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड, रसमडा स्थित औद्योगिक संस्थान में खपाए जाने के संबंध में महत्वपूर्ण साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार गर्ग एवं डायरेक्टर संदीप कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इन दो गिरफ्तारियों के साथ इस मामले में अब तक कुल 21 लोगों को जेल भेजा जा चुका है।

ढाबों में खुलेआम पिला रहे थे शराब, संचालक पर एक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में नशे के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत होटल और ढाबों की भी जांच की जा रही है। इसी दौरान शहर से लगे सकरी क्षेत्र के मम्मी द ढाबा और हॉलिडे इन ढाबा में अवैध शराब मिली। पुलिस ने दोनों ढाबा संचालकों को पकड़ा।

इसके अलावा तीन अलग-अलग जगहों पर लोगों को शराब पिलाने की सुविधा देने के मामले भी सामने आए। पुलिस ने इन मामलों में भी कार्रवाई की है। सभी मामलों में आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

एसएसपी रजनेश सिंह ने पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों को नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त

कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि अवैध शराब की बिक्री और सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने से मारपीट, लूट और सड़क हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

पुलिस की सख्ती से ऐसे विवाद और अपराध रोकने के साथ ही संभावित सड़क हादसों को भी कम किया जा सकता है।

पेंडारी के मम्मी द ढाबा में पुलिस ने नवीन श्रीवास (31), निवासी बन्नाक चौक सिरगिट्टी को पकड़ा। उसके पास से मैकडॉवल नंबर वन की 5 बोतल, सिग्नेचर की 3 बोतल और रॉयल चैलेंज की 1 बोतल अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने शराब जब्त कर ली।

वहीं, भरनी के हॉलिडे इन ढाबा में पुलिस ने श्याम कुमार जायसवाल (45) को 32 पाव देशी शराब के साथ पकड़ा। दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने भरनी के बावर्ची ग्रीन रेस्टोरेंट से अजय यादव और देशी ठाठ ढाबा के पास से संतोष सिंह को शराब पिलाने की सुविधा देने के आरोप में पकड़ा।

इसके अलावा सकरी तालाब पार के पास से अशोक कुमार गोड़ को पकड़ा गया। आरोप है कि वह शराब पीने वालों के लिए बैठने और चखना की व्यवस्था कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, तीनों के पास शराब पिलाने के लिए कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं था। मौके से शराब की बोतलें, गिलास, मिक्चर और पानी के पाउच समेत अन्य सामान जब्त किया गया। तीनों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 36(ग) के तहत कार्रवाई की गई है।

34 ग्राहकों से किस्त लेकर कंपनी में जमा नहीं किया, पूर्व संगम मैनेजर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के धमधा में 34 ग्राहकों से लोन की किस्त और बकाया राशि वसूलकर कंपनी में जमा नहीं करने वाले पूर्व संगम मैनेजर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रणजीत सिंह (28) निवासी एकलव्य नगर, दल्लीराजहरा, जिला बालोद के रूप में हुई है।

वह भारत फाइनेंसियल इन्क्लूजन लिमिटेड की धमधा शाखा में करीब 6 महीने तक संगम मैनेजर के पद पर काम कर चुका है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 34 सदस्यों से कुल 4 लाख 85 हजार 575 रुपए लिए, लेकिन यह रकम कंपनी के कार्यालय में जमा नहीं की। मामला सामने आने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था।

धमधा पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी दौरान साइबर टीम की मदद से उसकी जानकारी जुटाई गई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि गबन की रकम उसने खाने-पीने में खर्च कर दी। पुलिस जांच के मुताबिक, आरोपी ने 26 दिसंबर 2023 की सुबह 8 बजे से 28 मई 2024 की शाम 7 बजे के बीच अलग-अलग ग्राहकों से किस्त और बकाया राशि ली थी। इन पैसों को कंपनी में जमा किया जाना था, लेकिन आरोपी ने ऐसा नहीं किया।

जांच में 34 सदस्यों से ली गई कुल 4 लाख 85 हजार 575 रुपए की राशि कंपनी में जमा नहीं किए जाने की बात सामने आई।

कंपनी में संगम मैनेजर के तौर पर रणजीत सिंह का काम गांवों में जाकर सदस्यों को लोन बांटना और उनसे लोन की किस्त वसूलना था। भारत फाइनेंसियल इन्क्लूजन लिमिटेड की धमधा शाखा के पूर्व क्रेडिट मैनेजर ने 8 अक्टूबर 2025 को धमधा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। घटना के बाद से रणजीत सिंह फरार था और पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे आगे की कार्रवाई के लिए रिमांड पर भेजा गया है।

कमीशन के लालच में खुलवाते थे बैंक खाते, उसी अकाउंट में जमा कराए साइबर ठगी की रकम, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने मध्यप्रदेश के उज्जैन से अमृत लाल जाट और राहुल जाट (35) को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि आरोपी कमीशन के लालच में बैंक खाते खुलवाकर साइबर ठगों को देते थे। साइबर ठगी की रकम पहले इन्हीं खातों में मंगाई जाती थी। इसके बाद रकम को दूसरे बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता था। बिलासपुर रेंज साइबर थाना को छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की मंगला शाखा में संचालित एक

खाते में संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जानकारी मिली थी। जांच में खाते से कुछ ही दिनों के भीतर 12 लाख रुपए से ज्यादा की संदिग्ध राशि का लेन-देन सामने आया। इसके बाद पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर बैंकिंग और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने 'सावरिया इंटरप्राइजेस' के नाम से चल रहे बैंक खाते का स्टेटमेंट, अकाउंट ओपनिंग फॉर्म, केवाईसी दस्तावेज और दूसरे बैंक रिकॉर्ड की जांच की। जांच में इस खाते के साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में इस्तेमाल होने से जुड़े तथ्य सामने आए। पुलिस के मुताबिक, इन दोनों बैंक खातों में सिर्फ एक महीने के दौरान करीब 12 से 15 लाख रुपए का संदिग्ध लेन-देन हुआ है।

इसके बाद पुलिस ने बैंक खातों में हुए लेन-देन, मोबाइल नंबर, बैंकिंग से जुड़े साधनों और आरोपियों के आपसी संपर्कों की जांच की। तकनीकी जांच में अमृत लाल जाट और राहुल जाट की भूमिका सामने आई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। जांच में सामने आया कि साइबर ठग ठगी की रकम सीधे अपने बैंक खाते में नहीं लेते। वे दूसरे लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल करते हैं। इसके बदले खाता उपलब्ध कराने वाले लोगों को कमीशन दिया जाता है।

इन खातों की पासबुक, एटीएम/डेबिट कार्ड, मोबाइल नंबर और दूसरे बैंकिंग साधनों के जरिए ठगी की रकम एक खाते से दूसरे खाते में भेजी जाती है। ऐसे बैंक खातों को 'म्यूल बैंक अकाउंट' कहा जाता है।

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की भूमिका बैंक खाते उपलब्ध कराने और इन खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम का लेन-देन करने में सामने आई है।

पुलिस अब आरोपियों के संपर्क में रहे दूसरे लोगों, बैंक खातों और पैसों के लेन-देन की जानकारी जुटा रही है। मोबाइल और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान की भी तकनीकी जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि इस जांच के जरिए साइबर ठगी की रकम के पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

रील के शौक ने बनाया मुजरिम

कोरबा। कोरबा जिले में रील और सोशल मीडिया पर भाईगिरी दिखाने का शौक एक युवक को भारी पड़ गया। कोतवाली पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। इनमें पुरानी बस्ती निवासी 22 वर्षीय गौतम तंवर पर लोगों से शराब पीने के लिए पैसे मांगने और डॉनगिरी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, गौतम खुद को कोरबा का गुंडा और डॉन बताकर लोगों पर दबदबा बनाने की कोशिश करता था। वह खुद को 'भाई जी' कहलवाता था और लोगों से शराब पीने के लिए पैसे मांगता था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने बस स्टैंड क्षेत्र में उसकी पैदल परेड भी कराई।

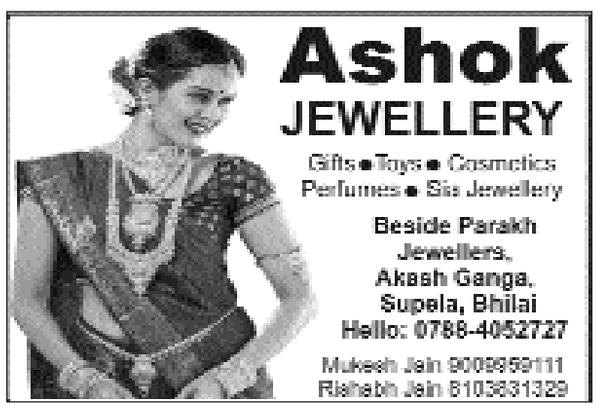

विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है छत्तीसगढ़ निवेश के लिए है असीम संभावनाएं - मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और अनछुए पर्यटन स्थलों से दुनिया को परिचित कराने की है जरूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य दिया है। एक ऐसा भारत जिसकी ओर दुनिया चुनौतियों के समाधान की उम्मीद से देख रही है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में हमारा छत्तीसगढ़ राज्य अहम भूमिका निभाने में सक्षम है। हमारे पास देश की तरक्की को गति देने वाले सभी जरूरी संसाधन हैं। उच्च गुणवत्ता के बहुमूल्य खनिज,बिजली के साथ ही हमारे पास स्किल्ड वर्क फोर्स है। उक्त बातें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर में आयोजित इकोनामिक टाइम्स द्वारा आयोजित विकसित छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव 2026 में कही।

उन्होंने बताया विकसित भारत 2047 के अनुरूप ही हमने विकसित छत्तीसगढ़ 2047 बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे है। हमनें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए विजन डॉक्यूमेंट 2047 तैयार किए है जिसके अनुरूप हमारी सरकार समयबद्ध रूप से मिशन मोड में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा विकसित भारत की भव्य इमारत स्टील से तैयार होगी। छत्तीसगढ़ अभी देश का 20 प्रतिशत स्टील उत्पादित करता है। चिनाब नदी पर बना देश का सबसे ऊंचा पुल छत्तीसगढ़ के फौलादी स्टील से तैयार हुआ है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्टील निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लगातार नीतिगत प्रयास कर रहे हैं। हमने प्रदेश में स्टील के उत्पादन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 45 मिलियन टन करने का रखा है। विकसित भारत के ग्रोथ इंजन को पावर चाहिए। छत्तीसगढ़ देश के 20 प्रतिशत कोयले का उत्पादन करता है। हम 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन करते हैं। हमने एनर्जी समिट किया,जिसमें साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आये, जिन पर काम हो रहा है। कुछ ही वर्षों में 60 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य पूरा हो जाएगा।

उन्होंने आगे कहा आज छत्तीसगढ़ का कोर सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़ी वजह हमारी नई औद्योगिक नीति है। हमने निवेश पर आकर्षक सब्सिडी दी है। कोई अपना उद्यम लगाना चाहे तो उनके लिए अनेक तरह के प्रोत्साहन हैं। पूंजी निवेश पर सब्सिडी है, ब्याज पर सब्सिडी है, कोई टेक्नालाजी खरीदना चाहे तो उस पर सब्सिडी है। स्टांप ड्यूटी में छूट है। हमनें खासकर पावर,आईटी, स्टील, टेक्सटाइल,फार्मा, फूड प्रोसेसिंग जैसे सेक्टर को विशेष प्रोत्साहित कर रहे है। नई उद्योग नीति के तहत अब तक हमें 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

आज हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नक्सल मुक्त भारत का स्वप्न साकार हुआ है। छत्तीसगढ़ के बस्तर ने लंबे समय तक माओवाद का दंश झेला, लेकिन अब यह क्षेत्र इको टूरिज्म के लिए नया डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और अद्भुत जैव विविधता से भरपूर बस्तर में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की पहचान उसकी वास्तविक खूबसूरती और सांस्कृतिक समृद्धि के अनुरूप नहीं बन पाई। अब परिस्थितियां तेजी से बदली हैं और बस्तर शांति, विश्वास, विकास और पर्यटन की नई पहचान के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। बस्तर की इस बदलती तस्वीर को देश-दुनिया तक पहुंचाने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि बीते चार दशकों में बस्तर का नाम राष्ट्रीय मीडिया में अधिकांशत: नक्सलवाद और हिंसा से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में सामने आता रहा। इससे बस्तर की वास्तविक पहचान कहीं पीछे छूट गई। अब नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता और क्षेत्र में स्थापित हो रहे शांति के वातावरण ने बस्तर के विकास के लिए नए द्वार खोले हैं। सड़क, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ पर्यटन क्षेत्र में भी नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा आप सभी बस्तर की वास्तविक खूबसूरती और वहां हो रहे बदलावों से परिचित हैं। राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के माध्यम से जब बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति और पर्यटन स्थलों की सकारात्मक कहानियां देश के सामने आएंगी तो लोगों की बस्तर के प्रति धारणा भी बदलेगी। उन्होंने कहा कि बस्तर को अब नक्सलवाद नहीं, बल्कि उसकी प्रकृति, संस्कृति, पर्यटन और विकास के लिए जाना जाए - यह हम सभी का प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पर्यटन केवल किसी क्षेत्र को पहचान को विस्तार देने का माध्यम नहीं है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का भी बड़ा आधार है। बस्तर में पर्यटन बढ़ने से होटल, होम-स्टे, परिवहन, स्थानीय खान-पान, हस्तशिल्प, गाइड सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। विशेष रूप से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिलेगा। बस्तर के हस्तशिल्प, वनोपज और स्थानीय उत्पादों को भी पर्यटन के माध्यम से बड़ा बाजार मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बस्तर में शांति और विकास को स्थायी स्वरूप देने के साथ पर्यटन की संभावनाओं को भी विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि देश-दुनिया से पर्यटक निर्भय होकर बस्तर आएं, यहां की प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट संस्कृति को करीब से देखें तथा एक नए और बदलते बस्तर का अनुभव लेकर लौटें। छत्तीसगढ़ मध्य भारत में हमारी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति, 3500 किलोमीटर से अधिक फैले हमारे राष्ट्रीय राजमार्ग और देश के सबसे तेजी से विकसित होते रेल नेटवर्क के चलते छत्तीसगढ़ पर अब सबकी नजर है। लाजिस्टिक के लिए हमारा प्रदेश बहुत उपयुक्त है। यहां से देश के हर कोने में आपूर्ति सबसे आसान है। हमने लाजिस्टिक नीति भी तैयार की है

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सार्वजनिक सेवा के 25 वर्षों की यात्रा सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रही है। इस अवधि में देश ने विकास और जनकल्याण के अनेक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन देखा है। गरीबों के पक्के आवास से लेकर स्वच्छ पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन और बुनियादी अधोसंरचना तक जनकल्याणकारी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव लाने का कार्य किया है।

इस अवसर पर इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार आर.कृष्णा दास, जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल सहित गणमान्य गण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने आगे आएं इवेंट मैनेजर्स : अरुण साव

छत्तीसगढ़ में इवेंट मैनेजमेंट और पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव रायपुर में आयोजित 'इकॉन-2026' इवेंट एंड एंटरटेनमेंट कॉन्क्लेव में शामिल हुए। उन्होंने देशभर से आए इवेंट मैनेजर्स का स्वागत करते हुए कहा कि इवेंट मैनेजमेंट आज एक बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन स्थलों में अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश की नई औद्योगिक नीति में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। छत्तीसगढ़ मैरिज डेस्टिनेशन के रूप में भी तेजी से उभर रहा है। इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के प्रयासों से प्रदेश को बड़ा लाभ मिल सकता है। श्री साव ने देश के विभिन्न प्रदेशों से आए मेहमानों से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग स्थानों की यात्रा करें और यहां की संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य, पर्यटन की संभावनाओं से परिचित हों। छत्तीसगढ़ में बहुत कुछ है, जिसे देश-दुनिया तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉन्क्लेव में सभी एक-दूसरे के अनुभव साझा करें और नए अवसरों पर मिलकर काम करें। इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में नवाचार से प्रदेश में पर्यटन एवं आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

गोल्फ के ग्लोबल मैप पर उभर रहा नवा रायपुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर अब केवल आधुनिक शहर के रूप में नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है।

डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट-2026 के पुरस्कार वितरण समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि नवा रायपुर का वर्ल्ड क्लास फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब छत्तीसगढ़ में गोल्फ के बढ़ते आकर्षण और विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं की पहचान बन रहा है।

श्री साव ने प्रतियोगिता के विजेता खलिन एच. जोशी सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश में इस तरह के बड़े और अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों का आयोजन यहां की खेल संभावनाओं को नई दिशा देता है। ऐसे आयोजन छत्तीसगढ़ की गोल्फ प्रतिभाओं के लिए बड़े मंच का काम करते हैं।

देश-दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों की मौजूदगी में होने वाली प्रतियोगिताओं से स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की प्रेरणा मिलती है।

आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों की मजबूत नींव रखेगा नया विद्या मंदिर : मुख्यमंत्री साय

अघोरेश्वर भगवान राम जी के चरणों में अर्पित की श्रद्धा, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए की प्रार्थना, पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी से भेंट कर लिया आशीर्वाद, पंगत में बैठकर ग्रहण किया प्रसाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परम पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी के अवतरण दिवस के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज रायगढ़ जिले के ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ पहुंचे। मुख्यमंत्री साय ने उपासना स्थल पर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा के दर्शन कर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। मुख्यमंत्री साय ने आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने आश्रम की परंपरा के अनुरूप सादगी के साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान आश्रम का सहज, सेवाभावी और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला।

8 एकड़ परिसर में एक लाख वर्गफीट में बना आधुनिक विद्यालय

अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा द्वारा निर्मित अघोरेश्वर भगवान राम विद्या मंदिर का नवीन परिसर करीब 8 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया गया है। लगभग एक लाख वर्गफीट में निर्मित जी प्लस-2 भवन में विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा और सर्वांगीण विकास का विशेष ध्यान रखा गया है। विद्यालय भवन में 41 कक्षाएं और 9 आधुनिक प्रयोगशालाएं बनाई गई हैं। विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए पुस्तकालय और तकनीक आधारित शिक्षा के लिए स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नर्सरी कक्षा के बच्चों के लिए खेल सामग्री एवं गतिविधि आधारित शिक्षण की व्यवस्था की गई है, जिससे प्रारंभिक अवस्था से ही बच्चों के शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक विकास को प्रोत्साहित किया जा सके। विद्यालय के सुचारु संचालन के लिए 32 शिक्षकों एवं 14 कार्यालयीन कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है। आधुनिक शैक्षणिक संसाधनों से युक्त यह परिसर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री साय इसके पश्चात अघोरेश्वर भगवान राम विद्या मंदिर के नवीन भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नवीन विद्यालय भवन का लोकार्पण कर विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी भी देखी। बच्चों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल और नवाचारों में उन्होंने विशेष रुचि दिखाई तथा विद्यार्थियों की जिज्ञासा, वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता की सराहना कर उनका उत्साहवर्धन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अघोरेश्वर भगवान राम जी का संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा, करुणा और सामाजिक समरसता को समर्पित रहा। उन्होंने आध्यात्मिक साधना को मानव सेवा से जोड़कर समाज के सामने ऐसा मार्ग प्रस्तुत किया, जिसमें जरूरतमंद और पीड़ित मनुष्य की सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया। बनोरा अघोर गुरु पीठ इसी सेवा परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बनोरा आश्रम ने आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ मानव सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविरों के आयोजन से लेकर जरूरतमंदों की सहायता और दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने तक आश्रम की अनेक सेवा गतिविधियों ने लोगों के जीवन को संबल दिया है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने की यह भावना प्रेरणादायी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अघोरेश्वर भगवान राम विद्या मंदिर का नवीन भवन इस सेवा यात्रा में शिक्षा के क्षेत्र में जुड़ा एक महत्वपूर्ण अध्याय है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना और उनमें संस्कार, संवेदनशीलता तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना भी है। उन्हें विश्वास है कि इस विद्या मंदिर से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ज्ञान-विज्ञान में आगे बढ़ने के साथ सेवा और संस्कारों की परंपरा को भी आत्मसात करेंगे।

उन्होंने कहा कि आज का समय तेजी से बदलती तकनीक और विज्ञान का समय है। हमारे बच्चों में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें अच्छी शिक्षा, आधुनिक संसाधन और अपनी प्रतिभा को सामने लाने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की है। विद्यालय में बच्चों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान प्रदर्शनी उनकी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का परिचय देती है। ऐसे प्रयास बच्चों में प्रश्न पूछने, नए विचार विकसित करने और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शिक्षकवृंद की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पढ़ाते नहीं हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और भविष्य को गढ़ते हैं। शिक्षक राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव तैयार करते हैं। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों से बच्चों में ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, संवेदना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अघोरेश्वर भगवान राम जी और बनोरा आश्रम से अपने परिवार के पुराने आत्मीय जुड़ाव को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके बड़े पिताजी स्वर्गीय केदारनाथ साय जी अघोरेश्वर भगवान राम जी के परम शिष्य थे। इस कारण बचपन से ही परिवार में अघोरेश्वर भगवान राम जी के प्रति श्रद्धा और उनके सेवा-दर्शन का वातावरण रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गांव बगिया से रायगढ़ की ओर आने-जाने के दौरान अनेक अवसरों पर उन्हें बाबा के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। बनोरा आकर उन्हें सदैव आत्मीयता और आध्यात्मिक शांति का अनुभव होता है।

मुख्यमंत्री ने अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट के पदाधिकारियों, संतवृंद, शिक्षकवृंद और आश्रम की सेवा गतिविधियों से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के लिए सेवा भाव से किया गया प्रत्येक कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनता है। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बनोरा आश्रम केवल आध्यात्मिक साधना का केंद्र नहीं है, बल्कि मानव सेवा, शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सरोकारों का भी महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। अघोरेश्वर भगवान राम जी ने अपने जीवन और कार्यों से सेवा, दया, करुणा तथा सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया, बनोरा आश्रम उसी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट द्वारा वर्षों से स्वास्थ्य, शिक्षा और जरूरतमंदों की सहायता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। नवीन विद्यालय भवन के माध्यम से इस सेवा परंपरा में शिक्षा का एक और सशक्त आयाम जुड़ा है। उन्होंने पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी के मार्गदर्शन में आश्रम की सेवा गतिविधियों के निरंतर विस्तार की कामना की।

मानव सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देता है अघोरेश्वर भगवान राम जी का जीवन-दर्शन: अघोरेश्वर भगवान राम जी का जीवन मानव सेवा, करुणा और सामाजिक समरसता के आदर्शों को समर्पित रहा। उन्होंने समाज में उपेक्षित, वंचित एवं पीड़ित लोगों के प्रति संवेदना और सेवा को आध्यात्मिक साधना का महत्वपूर्ण आधार बनाया।

विशेष रूप से कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के बीच जाकर उनकी सेवा करने तथा उन्हें अपनत्व और सम्मान देने के उनके प्रयास मानवता के प्रति उनके गहरे समर्पण के उदाहरण बने। अघोरेश्वर भगवान राम जी का जीवन-दर्शन प्रत्येक मनुष्य में ईश्वर के दर्शन, समानता, प्रेम, करुणा और जरूरतमंद की सहायता की प्रेरणा देता है। उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज और मानव कल्याण से जोड़ने पर बल दिया। उनके द्वारा प्रतिपादित सेवा परंपरा और 19 सूत्रीय सिद्धांतों के अनुरूप विभिन्न आश्रमों एवं संस्थाओं के माध्यम से आज भी सामाजिक एवं मानवीय कार्य आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

रायगढ़ जिले में स्थित ग्राम बनोरा आज आध्यात्मिक साधना के साथ शिक्षा, चिकित्सा और समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। करीब तीन दशक पहले पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी के कर-कमलों से यहां अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट की नींव रखी गई थी। स्थापना के बाद से ट्रस्ट और उससे जुड़ी संस्थाओं द्वारा जरूरतमंदों की सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और सामाजिक संस्कारों से जुड़े अनेक कार्य निरंतर संचालित किए जा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950